https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
शनिवार, 18 अप्रैल 2026
वर्ष 18 अंक 214
पृष्ठ 8 मूल्य ₹3.00
www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 38° से.
न्यूनतम : 25° से.

jantaunion@gmail.com

गैस सिलेंडर फटने से मचा हड़कंप...- 3 | मतदाताओं के डी डुप्लीकेशन, कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही...-8

सार संक्षेप

गैस पाइपलाइन में भीषण विस्फोट, खैबर पख्तूनख्वा में 8 लोगों की दर्दनाक मौत

खैबर पख्तूनख्वा (जीएनएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक भीषण हादसा हो गया। यहाँ के एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन फटने से जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसकी चपेट में आने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। प्रशासन ने आशंका जताई है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना हरिपुर के प्रसिद्ध हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में हुई। विस्फोट ग्रैंड ट्रंक रोड के पास स्थित एक कारखाने के निकट हुआ। धमाका इतना शक्तिशाली था कि पाइपलाइन फटने के तुरंत बाद वहाँ भीषण आग लग गई।

होंठों पर विन-विन का राग, सरहद पर विस्तारवादी आग, ड्रैगन की नेमगेम साज़िश का भारत करेगा तगड़ा इलाज

अरुणाचल प्रदेश (जीएनएस)। मोदी सरकार ने इस महीने अरुणाचल प्रदेश में 23 स्थानों के नाम बदलने की चीन की ताज़ा हरकत को कड़ी निंदा के साथ सिरे से खारिज कर दिया है, लेकिन यह कदम शी जिनपिंग शासन की भौगोलिक और सांस्कृतिक विस्तारवादी मानसिकता को पूरी तरह से उजागर करता है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बीजिंग नई दिल्ली के साथ विन-विन (पारस्परिक लाभ) की आड़ में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की बात तो करता है, लेकिन हमेशा अपने सीमा विस्तार और ज़मीनी दावों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। चीन की इस दोहरी नीति और आर्थिक दबदबे का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में चीन (चीनी क्षेत्र हांगकांग सहित) के साथ भारत का व्यापार घाटा 150 बिलियन डॉलर के भारी-भरकम आंकड़े को पार कर चुका है।

कर्नाटक राजनीति में भूचाल! बीजेपी नेता की हत्या में कांग्रेस एमएलए विनय कुलकर्णी को आजीवन कारावास

बेंगलुरु (जीएनएस)। बेंगलुरु की एक अदालत ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को, भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता योगेशगौड़ा गौडर की सनसनीखेज हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। इस फ़ैसले से कुलकर्णी पर कर्नाटक विधानसभा से अयोग्य घोषित होने का खतरा भी मंडरा रहा है। उनके साथ-साथ, अदालत ने इस मामले में दोषी पाए गए पंद्रह अन्य लोगों को भी आजीवन कारावास की सज़ा दी। यह फ़ैसला, चुने हुए प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट द्वारा कुलकर्णी और अन्य लोगों को आईपीसी की कई धाराओं के तहत दोषी ठहराए जाने के दो दिन बाद आया। इन धाराओं में हत्या और आपराधिक साज़िश के आरोप भी शामिल थे। सज़ा सुनाए जाने के दौरान, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने कुलकर्णी के लिए बिना किसी छूट के आजीवन कारावास की सज़ा की मांग की, जबकि उनकी कानूनी टीम ने नरमी बरतने का अनुरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि कुलकर्णी का सार्वजनिक सेवा का लंबा रिकॉर्ड है और उनके परिवार के प्रति उनकी ज़िम्मेदारियां हैं।

दो-तिहाई बहुमत जुटाने में सरकार फेल, लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल

नई दिल्ली (जीएनएस)। शुक्रवार को लोकसभा ने उस विधेयक को खारिज कर दिया, जिसमें महिलाओं के लिए आरक्षण को तेजी से लागू करने और नई जनगणना कराए बिना परिसीमन करने का प्रावधान था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संविधान (131वां संशोधन) संशोधन विधेयक सदन में मतदान के दौरान 2/3 बहुमत प्राप्त न कर पाने के कारण पारित नहीं हो सका। मतदान के विभाजन में, 298 सदस्यों ने विधेयकों का समर्थन किया, जबकि 230 ने उनके खिलाफ मतदान किया। कुल वोटों की संख्या 528 थी

लोकसभा में किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। सरकार ने इस विधेयक के साथ 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखा था, लेकिन उन्हें भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पारित नहीं होने के बाद अब इससे संबंधित दोनों विधेयकों 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को आगे नहीं बढ़ा सकते।

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके ''रास्ते का रोड़ा'' कौन है और उन्हें महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जो लोग परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे कहीं न कहीं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के लिए आरक्षित सीटों में बढ़ोतरी का विरोध कर रहे हैं। गृह मंत्री ने अलग-अलग सीटों के बीच जनसंख्या के असंतुलन का हवाला देते हुए कहा कि यह परिसीमन से ही ठीक हो सकता है और विपक्ष को इसमें सहयोग करना चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन से संबंधित विधेयक का महिला आरक्षण से कोई संबंध नहीं है, बल्कि भारत के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है जो एक ''शर्मनाक कृत्य'' है। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार द्वारा जाति जनगणना को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, ''पूरा विपक्ष मिलकर सरकार के इस प्रयास को विफल करने जा रहा है।'' उनका कहना था, ''कुछ सच्चाई यह सदन में बताने की जरूरत है। यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, इसका महिलाओं के सशक्तीकरण से कुछ लेनादेना नहीं है। 2023 में जो पारित हुआ था वो महिला आरक्षण विधेयक था।'

राहुल गाँधी की मुश्किलें बढ़ीं, दोहरी नागरिकता केस में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया एफआईआर का आदेश

प्रयागराज (जीएनएस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास दोहरी नागरिकता होने के आरोपों की जांच आवश्यक है। न्यायालय ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देते हुए यह भी कहा कि उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह या तो स्वयं जांच करे या मामले को जांच के लिए किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंप दे। यह टिप्पणी भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें उन्होंने लखनऊ की विशेष सांसद/विधायक अदालत द्वारा 28 जनवरी को पारित आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने कांग्रेस नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

इससे पहले, उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की एक विशेष अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ जारी एक मानहानि मामले की शुक्रवार को सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के रवैये पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें भविष्य में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने की हिदायत दी।

ईरान जंग की सबसे बड़ी खबर, 49 दिन बाद पूरी तरह खोला गया होर्मुज स्ट्रेट

ईरान (जीएनएस)। ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को घोषणा की कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सभी कमर्शियल जहाज़ों के गुज़रने का रास्ता, सीज़फ़ायर की बाकी अवधि के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जलडमरूमध्य से जहाज़ों का गुज़रना उसी तय रास्ते से होगा, जिसकी घोषणा ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने पहले ही कर दी थी। एक्स पर एक बयान में उन्होंने कहा कि लेबनान में सीज़फ़ायर के मद्देनज़र, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सभी कमर्शियल जहाज़ों के गुज़रने का रास्ता, सीज़फ़ायर की बाकी अवधि के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है; यह उसी तय रास्ते से होगा, जिसकी घोषणा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने पहले ही कर दी थी।

होर्मुज संकट पर फ्राँस का बड़ा ऐलान, कहा- यूरोपीय देश बारूदी सुरंगें हटाने को पूरी तरह तैयार

फ्राँस (जीएनएस)। फ्रांसीसी टीवी स्टेशन के अनुसार, फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन ने शुक्रवार को कहा कि बेल्जियम, नीदरलैंड और फ्रांस सहित यूरोपीय देशों के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले महत्वपूर्ण शिपिंग मार्गों को सुरक्षित करने में मदद के लिए बारूदी सुरंग हटाने के अभियान चलाने की क्षमता है। वॉट्रिन ने ञ्जस्न1 को बताया कि यूरोपीय देश इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को पूरी तरह से समर्थित एस्कॉर्ट सेवाएं या सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। ञ्जस्न1 के अनुसार, वॉट्रिन ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के प्रयासों पर शुक्रवार को बाद में पेरिस में होने वाली बातचीत में चर्चा की जाएगी।

ईरान के साथ शांति समझौता हुआ तो पाकिस्तान जाएंगे डोनाल्ड ट्रंप, न्यूक्लियर डस्ट लौटाने पर भी बनी सहमति

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली की दिशा में एक बड़ा संकेत दिया है। नेवादा के लास वेगास जाते समय व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता सफलतापूर्वक संपन्न होता है, तो वह पाकिस्तान की यात्रा करने पर विचार करेंगे। ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में पाकिस्तान के रचनात्मक सहयोग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मध्यस्थों ने इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि हाँ, मैं पाकिस्तान जाऊँगा। अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है, तो मैं शायद वहाँ जाऊँ। वे (पाकिस्तान) चाहते हैं कि मैं वहाँ जाऊँ। उन्होंने आगे कहा, अगर समझौता इस्लामाबाद में होता है, तो मैं शायद वहाँ जाऊँ। वे चाहते हैं कि मैं वहाँ जाऊँ। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का अगला दौर शायद इस सप्ताहांत (2द्गद्गद्मद्गठ्ठस्र) में होगा। उन्हें समझौते को लेकर उम्मीद थी और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है।

बर्दाश्त नहीं करेंगे...संयुक्त राष्ट्र में गजब ही भड़क गया भारत

जिनेवा (जीएनएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और खासकर ईरान से जुड़े हालात पर कड़ा और साफ संदेश दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश ने स्थिति पर चिंता जताते हुए संतुलित लेकिन मजबूत बयान रखा। उन्होंने कहा कि 28 फरवरी 2026 से ईरान और खारी क्षेत्र में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारत लगातार चिंतित है। भारत ने सभी देशों से अपील की है कि वह संयम बरतें। हालात को और ना बिगाड़े और आम नागरिकों की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखें। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि ने कहा कि भारत के लिए ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से एक विशेष चिंता का विषय होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाज हैं। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य हमलों का लक्ष्य बनाए जाने की भारत कड़ी निंदा करता है।

भारत ने यह भी जोर देकर कहा कि इस समय टकराव बढ़ाने के बजाय बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना जरूरी है। तनाव कम करने और असली समस्याओं का हल निकालने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना चाहिए। साथ ही हर देश की संप्रभुता और उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

झारखंड के हज़ारीबाग़ में बड़ी मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने 4 खूंखार माओवादी को किया ढेर

हज़ारीबाग़ (जीएनएस)। झारखंड के हज़ारीबाग़ ज़िले में सुरक्षा बलों के साथ हुई एक मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना मिलने के बाद, केरेडारी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बटुका जंगल इलाके में यह मुठभेड़ हुई। बरकागाँव के एसडीओपी, पवन कुमार ने कहा, इस मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए हैं। उनकी पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में कोई भी सुरक्षाकर्मी घायल नहीं हुआ, और कहा कि इस अभियान के बारे में और जानकारी बाद में दी जाएगी।

माओवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सुरक्षाकर्मी घायल

एक अन्य घटनाक्रम में, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हफ़्ते की शुरुआत में, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम में, मिसिर बेसरा के नेतृत्व वाले एक माओवादी दस्ते के साथ हुई ज़बरदस्त गोलीबारी में चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मिसिर बेसरा पर 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़, जो सुबह के समय छोटानागरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सारंडा जंगल में शुरू हुई थी, रुक-रुककर जारी रही।

नेपाली पीएम का नया खेल, भारत से 100 रुपए से ज्यादा खर्च तो देना होगा टैक्स

(जीएनएस)। क्या अब 100 रुपए की छोटी सी खरीदारी भी बन सकती है बड़ी मुसीबत? क्या सीमा पार सामान लाना अब जेब पर भारी पड़ने वाला है? क्या इस नए फैसले से बदल जाएगी लाखों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी? दरअसल नेपाल सरकार ने हाल ही में भारत से होने वाली छोटी खरीदारी पर एक महत्वपूर्ण नीति लागू की है। जिसके तहत 100 रुपए से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी देना अनिवार्य कर दिया गया है। इस फैसले का उद्देश्य देश में घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देना और राजस्व बढ़ाना बताया जा रहा है। लेकिन इसका असर खासतौर पर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और छोटे व्यापारियों पर साफ दिखाई देने वाला है। भारत नेपाल सीमा के पास रहने वाले लोग लंबे समय से रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एक दूसरे के बाजारों पर निर्भर रहे हैं। खासकर नेपाल के नागरिक अक्सर सस्ते और आसानी से उपलब्ध सामान के लिए भारतीय बाजारों का रुख करते हैं। दाल, चावल, तेल, नमक, चीनी, सब्जियां और दवाइयां जैसी जरूरी चीजें लोग भारत से खरीद कर अपने घरों का खर्च चलाते हैं। ऐसे में रु 100 से अधिक की खरीदारी पर कस्टम ड्यूटी लगाने का फैसला उनके दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित कर सकता है। नई व्यवस्था के अनुसार इस तरह की खरीदारी पर 5त्न से लेकर 80त्न तक का कस्टम ड्यूटी लगाया जा सकता है। इसका मतलब है कि छोटी-छोटी खरीदारी भी अब महंगी पड़ सकती है। खासतौर पर मजदूर दिहाड़ी पर काम करने वाले लोग और कम आय वाले परिवार जो रोज ?200 से ?300 तक का सामान खरीद कर अपना गुजारा करते हैं। इस नियम से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। नेपाल सरकार के इस कदम के पीछे घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की मंशा बताई जा रही है। सरकार चाहती है कि लोग स्थानीय उत्पादों का इस्तेमाल करें जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। इसके अलावा अवैध व्यापार और सीमा पार होने वाली अनियमित गतिविधियों को नियंत्रित करना भी इस नीति का एक उद्देश्य है।

चार धाम यात्रा का महाकुंभः रिकार्ड 18 लाख रजिस्ट्रेशन, उत्तराखंड सरकार की चाक-चौबंद तैयारी

देहरादून (जीएनएस)। उत्तराखंड सरकार ने 23 अप्रैल से शुरू होने वाली चार धाम यात्रा के लिए सभी रसद और सुरक्षा व्यवस्थाओं के पूर्ण होने की पुष्टि की है। व्यापक निरीक्षण और समीक्षा बैठकों के बाद, अधिकारियों ने बताया कि दुनिया भर से श्रद्धालुओं की ओर से अभूतपूर्व रुचि दिखाई जा रही है। उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि पंजीकरणों की संख्या 18 लाख के करीब पहुंच गई है। उन्होंने एएनआई को पंजीकरणों का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि यमुनात्री के लिए 370,295, गंगोत्री के लिए 316,006, केदारनाथ के लिए 619,959, बद्रीनाथ के लिए 527,227 और हेमकुंड साहिब के लिए 17,171 पंजीकरण हुए हैं।

सुरक्षा पर होगा महामंथन

दिल्ली में पहली बार सीएपीएफ लीडरशिप कॉन्फ्रेंस, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली (जीएनएस)। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज (सीएपीएफ) के अधिकारियों के लिए अपनी तरह का पहला लीडरशिप कॉन्फ्रेंस देश की राजधानी में होने जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्रों की अध्यक्षता करने की उम्मीद है। मई में होने वाली इस उच्च-स्तरीय बैठक का मकसद भारत की तेज़ी से बदलती होमलैंड सिक्योरिटी स्थिति के संदर्भ में आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियों से निपटना है। न्यूज़ एजेंसी ह्रह्र ने इस योजना से जुड़े अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है।

इस दो-दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य सीएपीएफ के वरिष्ठ नेतृत्व को एक साथ लाना है, ताकि गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले इन बलों के बीच एकजुट योजना और तालमेल की ज़रूरत को पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) इस कार्यक्रम के लॉजिस्टिक्स का जिम्मा संभाल रहा है और हो सकता है कि वह इस बैठक को एक सालाना कार्यक्रम का रूप दे दे, ठीक वैसे ही जैसे पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों की बैठक होती है। जानकारी के अनुसार, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के साथ-साथ सीएपीएफ कैडर के शीर्ष अधिकारियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम एजेंडा अभी भी तैयार किया जा रहा है, और चर्चाओं का मुख्य विषय नीति का क्रियान्वयन, परिचालन संबंधी चुनौतियाँ और उभरते आंतरिक सुरक्षा खतरों से निपटने की रणनीतियाँ होने की संभावना है। प्रधानमंत्री के अलावा, इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और प्रमुख खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों के शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि इसका उद्देश्य एक ऐसा एकीकृत मंच तैयार करना है, जो सीएपीएफ के प्रयासों को राज्य पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा निकायों के साथ तालमेल बिठाने में मदद करे, जिससे वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें।

पांच बल, एक मंच

भारत के पांच प्रमुख सीएपीएफ में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) शामिल हैं; ये सभी मिलकर देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में लगभग 10 लाख कर्मियों का योगदान देते हैं। इनकी जिम्मेदारियों में सीमा सुरक्षा, बीआईपी सुरक्षा, उग्रवाद-रोधी अभियान, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और राज्यों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करना शामिल है।

सांसद अमृतपाल सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, एनएसए हटने पर भी नहीं मिली रिहाई, असम जेल ही ठिकाना

चण्डीगढ (जीएनएस)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि खालिस्तानी नेता और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह को 22 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (हृस्ड्ड) के तहत उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद भी असम की डिब्रूगढ़ जेल में ही रखा जाए। यह अंतरिम आदेश 17 मार्च को हुई एक सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति संजीव बेरी की अध्यक्षता वाली एक पीठ पंजाब सरकार द्वारा दायर एक याचिका की जांच कर रही थी। इस याचिका में सरकार ने अमृतपाल सिंह को कई मामलों के सिलसिले में जिनमें 2023 में अजनाला पुलिस थाने पर हुए हमले से जुड़े मामले भी शामिल हैं, लगातार हिरासत में रखने की मांग की थी। पंजाब सरकार ने दलील दी कि अमृतपाल सिंह को वापस पंजाब लाना कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है और इसके लिए उसने खुफिया इनपुट का हवाला दिया। फिलहाल इस चिंता को स्वीकार करते हुए, अदालत ने उन्हें 22 अप्रैल के बाद भी डिब्रूगढ़ जेल में ही रखने की अनुमति दे दी; 22 अप्रैल को ही उनकी एनएसए हिरासत की अवधि समाप्त होने वाली है।

श्रृद्धालुओं को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध

जनता यूनियन मथुरा । आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी महोदय, मथुरा के आदेश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी, गोवर्धन के निर्देशन में आम जनमानस एवं आने वाले श्रृद्धालुओं को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह एवं भरत सिंह द्वारा दानघाटी मंदिर के सामने गोवर्धन से दूध के दो नमूनें तथा पेड़ा के दो नमूनें संग्रहित कर अस्वास्थकर दशाओं में भंडारित लगभग 20 कि0ग्रा0 पेड़ा अनुमानित मूल्य लगभग 6000 रूपये को नष्ट कराया गया। इसके अतिरिक्त धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय के निर्देशन व मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचलदल के सदस्य जितेन्द्र सिंह, अरूण कुमार, दलवीर सिंह व राम नरेश द्वारा गौमत बाजना रोड, अजनोठ सुल्तान पट्टी स्थित अवैध रूप से संचालित अनीता डेयरी पर छापामार कार्यवाही की गयी। जहां मिल्क क्रीम का एक नमूना संग्रहित किया गया तथा अस्वास्थकर व अस्वच्छकर दशाओं में पनीर निर्माण कार्य होते पाये जाने पर परिसर में भंडारित 250 कि0ग्रा0 तैयार पनीर में से तीन नमूनें संग्रहित कर शेष पनीर अनुमानित मूल्य लगभग 67500 रू0 को नष्ट करा दिया गया। साथ ही नौशेरपुर मांट स्थित बृजधाम नैचुरल डेयरी से भैंस का दूध का एक नमूना संग्रहित किया गया। उक्त संग्रहित कुल 09 खाद्य नमूनें जांच हेतु राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

मथुरा बार ने सभी अधिवक्ताओं के सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस

जनता यूनियन मथुरा । हाईकोर्ट इलाहाबाद द्वारा जिला जज मथुरा को पत्र लिखकर भेज गया है कि वह मथुरा बार के अंतर्गत जो अधिवक्ता वकालत कर रहे हैं उन सभी अधिवक्ताओं के बायोमेट्रिक कार्ड बनाए जाए भविष्य में उस कार्ड के आधार पर ही अधिवक्ता न्यायालयों में जा सकेगे। उक्त आदेश मिलते ही जनपद जिला जज ने मथुरा बार एसोसिएशन को को सूचित कर दिया है।

बार एसोसिएशन मथुरा ने जिला जज मथुरा का पत्र मिलते ही कार्यवाही शुरू कर दी है बार सचिव ने पत्र निर्गत करते हुए लिखा है कि जिला अदालत में वकालत का कार्य करने वाले सभी अधिवक्ता सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस एवं बार काउंसिलिंग ऑफ यू पी द्वारा जारी प्रमाण पत्र की छाया प्रति 23 अप्रैल तक बार कार्यालय में जमा करवा दे जिससे वकालत का व्यवसाय करने वाले अधिवक्ताओं के बायोमेट्रिक कार्ड बन सके। बार अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने बताया कि भविष्य में वही अधिवक्ता न्यायालयों में जाकर प्रैक्टिस कर सकेगे जिनके पास बायोमेट्रिक कार्ड होगा केवल बार काउंसिलिंग के प्रमाण पत्र के आधार पर कोई भी अधिवक्ता प्रैक्टिस नहीं कर पाएगा जब तक उसके पास सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस नहीं होगा।

नेहा धूपिया ने जीत लिया ब्रजवासियों का दिल

■ सफाई अभियान में जुटे स्वयं सेवकों का बढ़ाया उत्साह

जनता यूनियन मथुरा । वृंदावन में चल रहे यमुना सफाई अभियान के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने भक्त भागवत को दस्ताने पहनाकर सेवा कार्य के लिए प्रेरित किया और नदी स्वच्छता का संदेश दिया। बृज क्षेत्र में यमुना सफाई की स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे एक स्थानीय स्वच्छता अभियान के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद सेवाभावी भक्त भागवत का उत्साह बढ़ाया और सफाई कार्य में जुटे स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अभिनेत्री ने सफाई कार्य में लगे लोगों से बातचीत की और स्वयं आगे बढ़कर गोवर्धन के भक्त भागवत के हाथों में दस्ताने पहनाकर उन्हें सुरक्षित रूप से कार्य जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया और कई स्थानीय स्वयंसेवकों ने इसे प्रेरणादायक क्षण बताया। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नदी की स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाना भी है।

न्यूज ब्रीफ

मण्डल आयुक्त ने किया निर्माणाधीन सर्किट हाउस का स्थलीय निरीक्षण

जनता यूनियन मथुरा । मण्डल आयुक्त नगेंद्र प्रताप द्वारा निर्माणाधीन सर्किट हाउस का स्थलीय निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम आयुक्त ने सर्किट हाउस प्रोजेक्ट का साइट प्लान देखा। संबंधित द्वारा अवगत कराया गया कि नवंबर 2025 से इस प्रोजेक्ट का कार्य शुरू हुआ है। वर्तमान में भूतल स्थल पर कास्टिंग कार्य प्रगतिमान है। चार मंजिला भवन बनकर तैयार होगा जिसमें लॉन, मीटिंग हॉल, कांफ्रेंस हॉल, डाइनिंग हॉल, सुइट रूम और वीआईपी रूम भी होंगे। प्रोजेक्ट की भौतिक प्रगति 15 प्रतिशत हो चुकी है। मंडलायुक्त द्वारा निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य किया जाए, निर्धारित समय में प्रोजेक्ट पूर्ण करने हेतु कार्य में तेजी लाई जाए। इसके अलावा पूरे परिसर के चारों तरफ आरसीसी बाउंड्रीवाल का निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस ने प्रशासन पर लगाया फसल सर्वे में किसानों के बीच भेद करने का आरोप

जनता यूनियन मथुरा । कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मथुरा जनपद में बरसात और ओलावृष्टि से फसलों में हुए नुकसान के सर्वे में सरकार ने भेदभाव किया है। जाति धर्म व पार्टी के आधार पर सर्वे कराया गया है। किसानों के बीच भेदभाव किया गया है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और किसानों के साथ हो रहे भेदभाव के मुद्दे को उठाया है। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं अलीगढ़ कोऑर्डिनेटर चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि आज देश का अन्नदाता प्राकृतिक आपदाओं, महंगाई और सरकारी उपेक्षा का शिकार हो रहा है। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की तैयार फसलों को बडा नुकसान पहुंचाया है, जिसमें विशेष रूप से गोवर्धन, छाता, बल्देव, मांट विधानसभा क्षेत्र के किसानों को नुकसान पहुंचा है। वहां के किसानों की मेहनत और उम्मीदें दोनों प्रकृति की मार से टूट गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की पीड़ा के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है, जबकि किसान आर्थिक संकट के साथ मानसिक पीड़ा भी झेल रहा है।

61 करोड़ की मुआवजे की धनराशि की मांग को किसानों लिए

जनता यूनियन मथुरा । आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने बे मौसम बरसात एवं ओलावृष्टि से हुई फसल के नुकसान के लिए, जिला प्रशासन द्वारा सरकार को भेजी गई 61 करोड़ की मुआवजे की धनराशि की मांग को किसानों लिए ऊंट के मुंह में जीरा जैसी कहा है। इस राहत से किसानों के जले पर नमक छिड़कने जैसा होगा।इससे पूर्व भी किसानों को आपदाओं के चलते बड़े नुकसान झेलने पड़े हैं, जिनका उचित मुआवजा नहीं मिला । जिले के बहुसंख्यक किसान ,अप्रैल माह में हुए इस नुकसान को सह पाने की स्थिति में नहीं हैं।

दिव्यांग बच्चे कॉक्लियर इम्प्लान्ट / करेक्टिव सर्जरी कराना चाहते है

जनता यूनियन मथुरा । जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विशाल कुमार ने अवगत कराया है कि निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ के द्वारा करेक्टिव सर्जरी के लिए जो दिव्यांग बच्चे कॉक्लियर इम्प्लान्ट / करेक्टिव सर्जरी कराना चाहते है। जिनकी उम्र 0 वर्ष से 05 वर्ष के हो ऐसे लाभार्थी अपना आवेदन पत्र के साथ अपना दिव्यांग प्रमाण पत्र, यू0डी0आई0डी0 कार्ड, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, फोटो आदि संलग्न कर कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, राजीव भवन, रूम नम्बर-35 जी जनपद मथुरा में दिनांक 25.04.2026 तक जमा करा दे। जिसके करेक्टिव सर्जरी / कॉक्लियर इम्प्लान्ट हेतु परीक्षण कराकर सर्जरी कराये जाने हेतु धनराशि का मांग की जा सके।

जयसिंहपुर से बिरला मंदिर तक अतिक्रमण से सिकुर्ती सड़क, लगता जाम

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा-वृंदावन मुख्य मार्ग पर जयसिंहपुर से लेकर बिरला मंदिर तक सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से खड़ी चाट-पकौड़ी की धकेलों के कारण प्रतिदिन गंभीर जाम की स्थिति बनी रहती है। यह मार्ग अत्यंत संवेदनशील एवं व्यस्त मार्ग है, जहां से लगातार वीआईपी वाहनों तथा एम्बुलेंस का आवागमन होता रहता है, लेकिन इसके बावजूद यहां यातायात व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित बनी हुई है। विशेष रूप से बिरला मंदिर के सामने चाट की धकेलों के पास लोग अपनी मोटरसाइकिल और कारें सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं और वहीं खड़े होकर खान-पान करते हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई और कम हो जाती है।

सीए बनना चाहते हैं आरुष शंकर,95 प्रतिशत अंक मिले

जनता यूनियन मथुरा । परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर वृंदावन के दसवीं कक्षा के छात्र आरुष शंकर ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा पास की है।वह सीए बनना चाहते हैं।वह कहते हैं कि हॉस्टल में रहकर प्रतिदिन आठ घंटे पढ़ाई करते थे, पढ़ाई करना कभी नहीं छोड़ा। वह कहते हैं कि पढ़ाई से घबराना नहीं चाहिए। आरुष बताते हैं कि पढ़ाई का समय लंबा होने के बजाय गहन होना आवश्यक है। बताया कि जितना अध्ययन करते थे, उतना मन लगाकर करते थे। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखी है।इस सफलता का श्रेय वो अपनी मां अंजली वर्मा को देते हैं।जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया,समय समय पर उनका मार्गदर्शन भी किया।

मथुरा-वृन्दावन में नारी शक्ति वंदन विधानसभा सम्मेलन सम्पन्न

जनता यूनियन मथुरा । सशक्त नारी, सशक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी, मथुरा महानगर द्वारा मथुरा-वृन्दावन विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मसानी स्थित आर.सी.ए. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में हुआ, जिसका शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या अंजू बाला खंडेलवाल ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य रेणू गौर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने और देश की दिशा तय करने का अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन भारती वार्ष्णेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर दीपा अग्रवाल, पूजा चौधरी, ममता भारद्वाज, नीलम गोयल (पार्षद), सुनीता उपाध्याय, कल्पना गर्ग, नीलम पांडे, पूनम वाल्मीकि, परमार वंदना अरोड़ा, भावना रावत, ज्योति चतुर्वेदी, कुंज बिहारी चतुर्वेदी, सुरेंद्र ठाकुर, प्रधान ललित गौतम, मलय राठौर, मनोज ठाकुर, अंकुर गुर्जर (पार्षद), महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, प्रणय पाराशर, अमित पाठक, यज्ञदत्त कौशिक, लोकेश तायल, नितिन चतुर्वेदी, नितिन कौशिक, राजू चौधरी, राजेश माहौर, नरेश शर्मा, बब्बू, धर्मेंद्र चौधरी, राकेश तोमर, मोहन भारद्वाज, कुलदीप पाठक (पार्षद) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बुरे फंसे कथावाचक और वृंदावन पुलिस

जनता यूनियन मथुरा । कथावाचक मृदुल कांत शास्त्री और वृंदावन पुलिस एक कार दुर्घटना विवाद में मुश्किल में फंस गए हैं। आरोप है कि पुलिस ने शास्त्री के प्रभाव में आकर दिल्ली के श्रद्धालुओं की महिलाओं और बच्चों को रातभर थाने में अवैध रूप से हिरासत में रखा। इस गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के मामले में मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय बाल आयोग ने जांच शुरू कर दी है। आगरा के अधिवक्ता नरेश पारस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को लेकर मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय बाल आयोग में केस रजिस्टर्ड करके जांच शुरू कर दी गई है। आगरा के ड्रीम हाउस नगला अजीता निवासी एडवोकेट नरेश पारस ने बताया कि 11 अप्रैल को दिल्ली से आए श्रद्धालुओं की कार और आचार्य मृदुलकांत शास्त्री के वाहन के बीच दुर्घटना हुई थी। इसके बाद विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों में कहासुनी और मारपीट हुई। आरोप है कि शास्त्री पक्ष के लोगों ने महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया और बाद में पुलिस ने महिलाओं व दो मासूम बच्चों को रात ढाई बजे थाने ले जाकर पूरी रात वहीं रखा। अगले दिन दोपहर बाद उन्हें छोड़ा गया। शिकायत में कहा गया है कि महिलाओं और बच्चों को थाने में रातभर रखना उनके मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

अक्षय तृतीया पर स्नान दान धर्म का मिलता है अक्षय पुण्य

जनता यूनियन मथुरा । श्री दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के श्री गोपाल गली स्थित कैंप कार्यालय पर संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्नान दान धर्म-कर्म का महापर्व अक्षय तृतीया स्वयं सिद्ध मुहूर्त है इस दिन से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे सूर्य व चंद्रमा दोनों ग्रह उच्च राशि में होने से महापर्व की महिमा और भी अधिक बढ़ गई है। अक्षय तृतीया एक युगादि तिथि है इस दिन दान धर्म-कर्म, पूजा पाठ अनुष्ठान आदि धार्मिक कार्यों को करने से अनंत गुना फल प्राप्त होता है और परिवार में सुख समृद्धि ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। गोष्ठी में आचार्य ब्रजेन्द्र नागर एवं ज्योतिषाचार्य दीपक चतुर्वेदी ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का प्राकट्य हुआ है जो कि चिरंजीवी हैं इस दिन सतयुग का अंत और त्रेता युग प्रारम्भ हुआ था। भागीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा इस दिन स्वर्ग से पृथ्वी पर प्रवाहित हुई थी।

दलाली में मांगे जा रहे पैसों की वजह से रिक्त पड़ी राशन दुकान

जनता यूनियन मथुरा । केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के हर गरीब और बेसहारा परिवार को सरकार फ्री में राशन प्रदान कर रही है। वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो शासन प्रशासन के क्षेत्रीय अधिकारी जनता से उनके मुंह का निवाला छीन रहे हैं।ऐसा ही मामला नौहझील क्षेत्र में देखने को मिला है।जानकारी के मुताबिक बता दें लगभग 1 वर्ष पूर्व नौहझील ब्लॉक की ग्राम पंचायत सीगोंनी के उचित दर विक्रेता ने अपने निजी बीमारी के चलते राशन की दुकान से स्तीफ़ा दिया था ।

तभी से गांव में राशन की दुकान रिक्त चल रही है।शासन प्रशासन ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल रहे राशन को ग्रामीणों को समय से राशन आवंटन करने के लिए दुकान को नजदीकी गांव मड्डआका में अटैच कर रखा है।रिश्वत के डर से चयन नहीं हो पा रहा नया राशन डीलर : रिक्त पड़ी राशन दुकानजिला अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत सीगोनी में रिक्त स्थान पड़ी राशन की दुकान का कई बार खुली बैठक का आयोजन कर दुकान के लिए नए राशन डीलर का चयन किया गया परंतु कार्य में सफलता नहीं मिली।क्योंकि हर बार ग्राम पंचायत सचिव रिश्वत में बीस से तीस हजार की डिमांड कर देते हैं ।जिसके डर से गांव में राशन की दुकान को लेने के लिए कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा है।क्योंकि ब्लॉक स्तरीय अधिकारों द्वारा राशन की दुकान को पास करने के लिए रिश्वत मांगे जाने के डर से दुकान रिक्त पड़ी हुई है।जिससे गांव में एक तरह की दहशत बनी हुई है।कुछ महीने पहले भी नये राशन डीलर चुनाव को लेकर खुली बैठक की गई थी।जिसमें संजय नामक युवक के लिए गांव में निर्विरोध चयन हुआ थाउन दिनों पंचायत पर रूपेंद्र कुमार सचिव था। उसने संजय से 50 हजार रूपये मांगे थे। संजय ने इतनी बड़ी रकम की रिश्वत देखते हुए दुकान लेने से इनकार कर दिया।।उसके लगभग 3 से 4 महीने बाद एक बार फिर खुली बैठक का प्रस्ताव रखा गया जिसमें प्रदीप कुमार पुत्र सुरेशचंद के नाम से नए राशन डीलर के रूप में चयन हुआ।उस समय पंचायत पर सियाराम सिंह रहे थे।सचिव सियाराम द्वारा सुरेश सिंह से राशन दुकान को ब्लॉक स्तर से पास करने के लिए बीस हजार रूपये लिए गए थे। कुछ दिन बाद सचिव सियाराम सिंह ग्राम पंचायत सीगोनी से ट्रांसफर हो गया सचिव सियाराम सुरेश सिंह से बीस हजार लेकर चले गए लेकिन राशन दुकान को रिक्त छोड़ गए।

मंडी समिति में अचानक गेहूं खरीद केन्द्र पर पहुंच गये सिटी मजिस्ट्रेट

जनता यूनियन मथुरा । नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा ने कृषि उत्पादन मण्डी समिति परिसर मथुरा में संचालित गेहूँ क्रय केन्द्रों का निरीक्षण कर किसानों से उनकी स्थिति के बारे में वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना एवं तत्काल निस्तारण कराया गया एवं मण्डी परिसर में चल रहे, खाद्य तथा रसद विभाग के दा गेहूँ क्रय केन्द्र, खाद्य निगम के 01 गेहूँ क्रय केन्द्र एवं कृषि उत्पादन मण्डी के एक गेहूं क्रय केन्द्र (कुल चार गेहूँ क्रय केन्द्र) का निरीक्षण कर गेहूँ की खरीद बढ़ाने एवं फार्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में कृषकों को विस्तार पूर्वक समझाने तथा गर्मी के दृष्टिगत पेयजल की समुचित व्यवस्था किये जाने हेतु उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान ी रेनू वर्मा, कृषि उत्पादन मण्डी, मथुरा, संतोष कुमार द्विवेदी, जिला विपणन अधिकारी, मथुरा, अजय पवार, क्रय केन्द्र प्रभारी एवं श्री कन्हैया तौमर, क्रय केन्द्र प्रभारी एवं पुष्पेन्द्र सिंह को गेहूँ की खरीद बढ़ाने के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश निर्गत किये गये।

अक्षय तृतीया पर फिर भारी भीड़ के दबाव को झेलेगा वृंदावन

जनता यूनियन मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पर्यटन थाना वृन्दावन के सभागार में अक्षय तृतीया पर्व के संबंध में विभिन्न विभागों की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। पुलिस अधिकारियों ने अवगत कराया कि वृन्दावन को 3 जोन तथा 11 सेक्टर में विभाजित किया गया है तथा उसी अनुसार ड्यूटी लगाई गई है। जिलाधिकारी ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न स्थानों पर 10 मेडिकल टीम तथा 5 एंबुलेंस लगाए। उन्होंने कहा कि वृन्दावन परिक्रमा मार्ग को सीसीटीवी कैमरों एवं पीए सिस्टम से आच्छादित किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृन्दावन परिक्रमा मार्ग तथा मंदिरों के आस पास सभी विद्युत पोल की रैपिंग की जाए, लटके तारों को एकत्रित किया जाए तथा गर्मी के दृष्टिगत अतिरिक्त ट्रांसफार्मर सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी परिक्रमा मार्ग मर नियमित दूरी पर उपस्थित रहे तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल मौके पर मौजूद उपस्थित हो। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं सुदृढ़ स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, साफ सफाई, पेयजल, पार्किंग आदि व्यवस्था उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैरियर, बैरिकेडिंग, साफ सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था आदि सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने नगर निगम को दिशा सूचक चिन्ह, साइनेज लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्मी के दृष्टिगत जगह जगह पर पंखे एवं कूलर लगाए जाए। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को पूर्ण तैयारी रखने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाए तथा घाटों के आस-पास सफाई सुनिश्चित करें।

अवैध ट्रक पार्किंग पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 222 वाहनों के चालान

जनता यूनियन मथुरा । रिफाइनरी क्षेत्र के बरारी इलाके में सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़े ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के खिलाफ बुधवार को प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। एआरटीओ, ट्रैफिक पुलिस और रिफाइनरी थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाया और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालान किए। अधिकारियों के अनुसार, बरारी क्षेत्र में लंबे समय से सर्विस रोड पर ट्रकों की अवैध पार्किंग की शिकायतें मिल रही थीं। सड़क के दोनों ओर खड़े ट्रकों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था और कई बार हादसों की स्थिति भी बन रही थी। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए बुधवार को संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। अभियान के दौरान सर्विस रोड के दोनों तरफ खड़े ट्रकों और अन्य वाहनों की जांच की गई। जिन वाहनों को अवैध रूप से पार्क किया गया था, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर करीब 222 वाहनों के चालान किए गए। इसके साथ ही कई वाहनों को मौके से हटवाकर सर्विस रोड को खाली कराया गया, ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके। अधिकारियों ने वाहन चालकों और ट्रांसपोर्टरों को सख्त चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि अगर आगे भी कोई वाहन सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़ा मिला तो उसके खिलाफ चालान के साथ-साथ वाहन सीज करने की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि हाईवे के आसपास सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। कई बार अचानक सड़क पर खड़े ट्रकों की वजह से छोटे वाहन चालकों को परेशानी होती है और हादसे भी हो चुके हैं।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम कुमारी योग्यता विजेता रही

जनता यूनियन मथुरा । मां वैष्णो देवी विद्या मंदिर नरौली में अंजू गौतम के निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 67 बच्चों ने भाग लिया बहुत सुंदर-सुंदर रंगोली बच्चों द्वारा सजाई गई जिसमें भारत माता का चित्र फूल सतरंगी चक्र सजाई गई निर्णायक मंडल श्रीमती डॉक्टर जमुना शर्मा डॉक्टर उमा शर्मा मालती भार्गव द्वारा सब रंगोलिया को देखा गया जिसमें से प्रथम कु. योग्यता द्वितीय सजल शर्मा तृतीय शिवांगी रंगोली प्रतियोगिता में आए बालकों को माला पटका सम्मान पत्र एवं गिफ्ट एवं खाद्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया बाकी सभी बच्चों को सम्मान पत्र खाद्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर निदेशक श्री विकास गौतम द्वारा सभी बच्चों को धन्यवाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई इससे पूर्व भगवान परशुराम की चित्रपट पर उपस्थित सभी विप्र बहनों मिथिलेश दुबे, पुष्प शर्मा, अनुराधा, सर्वेश, सरोज द्वारा एवं बच्चों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई डॉक्टर जमुना शर्मा द्वारा अवगत कराते हुए कहा यह कार्यक्रम सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान मथुरा द्वारा भगवान परशुराम के प्रादुर्भाव उत्सव की अंतर्गत किया जा रहा है।

गैस सिलेंडर फटने से मचा हड़कंप, छत उड़ी

झांसी जयूस। बीती रात सिलेंडर में आग लगने से ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि कमरे की सीमेंटेड शेड उड़ गई। विस्फोट की आवाज सुनकर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बगल में पुलिस चौकी स्थित है। सिपाही भी चौकी छोड़कर बाहर निकल आए। घटना की जानकारी की गई। घर का ऊपरी मंजिल धू-धू कर जल रहा था। आनन-फानन फायर ब्रिगेड को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम में कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के नैनागढ़ चौकी के पास रहने वाले जगदीश ऑटो रिक्शा चलाता है। बीती रात वह ऑटो रिक्शा चला कर घर पहुंचा था और बाहर ही दुकान पर बैठ गया। इधर बहू घर के ऊपरी मंजिल पर स्थित मंदिर में दीया जलाने के लिए गई थी। दीया जलाने के बाद वह वापस नीचे आ गई। थोड़ी देर बाद जोर का धमाका हुआ और ऊपरी कमरे की सीमेंट शेड उड़ गई। आग की लपटे ऊंची ऊंची उठने लगीं। छत पर जाने के सारे रास्ते बंद हो गए थे। विस्फोट की आवाज सुनकर लोग घर छोड़कर बाहर निकल आए। इधर चौकी पुलिस आवाज सुनकर बाहर आ गई और उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। फायर ब्रिगेड की टीम को आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। विस्फोट के पास भी आग की लपटें ऊंची-ऊंची उठ रही थीं।

कमरे में रखा सामान जलकर हुआ खाक

जगदीश सिंह ने बताया कि ऊपर के कमरे में सिलेंडर सहित अन्य सामान भी रखा हुआ था। आग में जलकर सब कुछ राख हो गया, भरे हुए गैस सिलेंडर में विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि लोग अपना घर छोड़कर सड़क पर आ गए। घटना की सत्यता जानने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। गनीमत रही कि जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

महिला नेट्रेन में दिया कन्या को जन्म, नर्स ने कराई डिलवरी

झांसी जयूस। अहमदाबाद से आसलसोल जा रही ट्रेन क्रमांक 19435 सुपर फास्ट एक्सप्रेस में एक महिला ने कन्या को जन्म दिया। यह महिला सूरत से पटना जा रही थी। इस महिला की नर्स ने मदद की है।
ललितपुर निवासी मनीष शुक्ला ने ट्रेन क्रमांक 19435 में ललितपुर से बांदा में कंडक्टर के रुप में कार्य कर रहा था। खजराहा स्टेशन पर जब ट्रेन खड़ी थी तो कोच अटेंडेंट ने बताया कि एम-1-64 कोच में एक महिला को तेज डिलीवर पेन हो रहा है। तुरंत यह लोग एम-1 कोच पहुंचे। यहां से वाणिज्य नियंत्रण कार्यालय को जानकारी दीऔर बताया गया कि जल्द ही एबुलेंस आ जाएगी। जैसे ही यह लोग एबुलेंस की बात कर रहे थे, तो महिला आ गई, जिसको प्रयागराज जाना था। उन्होंनेजग का पूछा तो बताया कि एक महिला को डिलीवरी पेन हो रहा है, उनके लिए एबुलेंस मंगवा रहे है तो महिला बोली की हम सरकारी अस्पताल मेंनर्स है। हम देख ले रहे है तो महिला नर्स ने अपना नाम भावना मिश्रा बताया। महिला नर्स भावना मिश्रा ने महिला को चेक किया।
बताते है कि चूंकि गाड़ी में इंजन लग चुका था और ट्रेन का सिग्नल हो जाता तो तुरंत अटेंडेंट को डिप्टी एसएस केयास भेजकर उनको स्थिति से अवगत करवाया गया। ट्रेन को कुछ देर रुकने के लिए बोला कि जब तक एबुलेंस नहीं आती, तब तक सिग्नल न दे। गर्म पानी की आवश्यकता थी तो पेंट्रीकार खुलवा कर गर्म पानी दिलवाया गया। कुछ ही देर में महिला ने कन्या को जन्म दिया। इस दौरान किसी ने चादर दी तो किसी ने नवजात को लपेटने के लिए अपना दुपट्टा दिया। यात्रियों की मानवीयता और सहयोग ने एक संकट को करुणा मेंबदल दिया। समय-समय पर पर वाणिज्य नियंत्रण कक्ष को अवगत कराया गया। कन्या के जन्म होने के बाद ट्रेन को गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया गया। महिला रेलयात्री की सहमति से एबुलेंस को कैंसिल कर दिया गया। बताया गया कि कुछ इंजेक्शन की डिमांड की गई, जिसे कंट्रोलर को बोलकर महोबा में डॉक्टर बुलवाकर चेक करवाया गया। महोबा मेंडॉ. कॉल अटेंड हुई। यात्री महोबा रेलवे स्टेशन पर उतरने को तैयार नहीं था। यात्री द्वारा बोला गया कि अभी कोई दिक्कत नहीं हो रही है। महिला रेलयात्री प्रीति ने बताया कि वह अपने पति करन कुमार केसाथ सूरत से पटना जा रही थी। इस पर महिला रेलयात्री ने रेलवे प्रशासन को धन्यवाद दिया।

भीषण गर्मी में बकरियों का खास ख्याल रखें, उत्पादन बचाने के लिए अपनाएं ये उपाय

झांसी जयूस। बढ़ते तापमान और उमस के कारण बकरियों पर हीट स्ट्रेस का खतरा तेजी से बढ़ रहा है, इससे उनके स्वास्थ्य और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह जानकारी रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय,के सहायक प्राध्यापक डॉ. मानवेन्द्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ती गर्मी बकरियों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। अत्यधिक तापमान के कारण बकरियों में तनाव बढ़ता है, इससे वजन वृद्धि, दूध उत्पादन और समग्र स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

बाड़े को रखें ठंडा, हवादार

डॉ. सिंह ने पशुपालकों को सलाह दी कि बकरियों के बाड़े को ठंडा और हवादार बनाए रखें। इसके लिए छायादार व्यवस्था करें तथा छत पर सफेद पेंट या चूने का उपयोग करें। बाड़ा ऐसे स्थान पर बनाएं जहां आसपास बड़े पेड़ हों, जिससे प्राकृतिक ठंडक मिल सके।

चराई का सही समय अपनाएं

गर्मी के दौरान दिन में बकरियों को चराने से बचें। सुबह और शाम के समय ही चराई कराएं, ताकि तेज धूप से बचाव हो सके।

पानी व पोषण पर दें विशेष ध्यान

बकरियों को हमेशा स्वच्छ, ठंडा और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराएं। पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल मिक्सचर मिलाने से हीट स्ट्रेस कम होता है। साथ ही संतुलित आहार के साथ सुबह-शाम हरा चारा अवश्य दें।

हीट स्ट्रेस के लक्षण पहचानें

यदि बकरियों में तेज सांस लेना, मुंह खोलकर सांस लेना, लार टपकना या सुस्ती जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत उन्हें छायादार स्थान पर ले जाकर ठंडा पानी पिलाएं और जरूरत पड़ने पर पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

साफ-सफाई,टीकाकरण जरूरी

बाड़े की नियमित सफाई और कीटाणुशोधन करें। साथ ही परजीवी नियंत्रण और टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करें, ताकि बीमारियों से बचाव हो सके। इन आसान उपायों को अपनाकर पशुपालक गर्मी के मौसम में बकरियों को सुरक्षित रख सकते हैं और उनके उत्पादन को बनाए रख सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई रेलवे संगठन ने

झांसी जयूस। ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे इम्प्लाइज एसोसिएशन झांसी मंडल के तत्वाधान में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती अशोक सदन में मनाई गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीआरएम पी पी शर्मा, जोनल महा सचिव दिनेश कुमार, जोनल कोषाध्यक्ष त्रिदेव, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार, लाइजनिंग अधिकारी सीनियर डीसीएम अमन वर्मा विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद रहे है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल अध्यक्ष किशन स्वरुप ने की। कार्यक्रम में अतिथियों ने बाबा साहब के जीव परिचय सहित उनके द्वारा समाज एवं देश के उत्थान के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर कैलाश मसकोले, डी के गौतम, एस डी मीना, जी पी सिंह, भीमराज मीना, एन के भिटोरिया, जे पी सिंह, दिनेश कुमार, मलखान सिंह, चेतना वर्मा, अनुष्का सूत्रकार, प्रियंका अहिरवार, भारती, बृजेंद्र सिंह, नरेन्द्र शाक्या, अशोक शाक्या, मुकेश कुमार, दशरथ, ध्यानवंद्र शाक्या, भगवान दास, मनीष वर्मा आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मंडल सचिव वीरेंद्र कुमार अहिरवार ने किया। अंत में मंडल अध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

झांसी जयूस। कोतवाली पुलिस ने अपमानित करने व धमकी देने के मामले में वांछित अभियुक्त को पकड़ लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने वांछित अभियुक्त सोहेल अहमद खान निवासी महाराज सिंह नगर पुलिया नं. 9 थाना प्रेमनगर को गिरफ्तार कर लिया। इस अभियुक्त के खिलाफ धारा 299/352/351(2)/316 (4) / 353 (1) सी बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी को अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया।

अराजकतत्वों ने बाबा साहेब की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

झांसी जयूस। अराजकतत्वों ने बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना की जानकारी लगते ही लोग मौके पर पहुंचे। इस घटना को लेकर लोगों मेंआक्रोश भड़क गया। जानकारी लगते ही प्रशासन भी मौका पर पहुंच गया। नई प्रतिमा लगाने की तैयारी की जा रही है।
चिरगांव क्षेत्र के ग्राम करगुवा में गांव के बाहर खेत में अम्बेडकर की प्रतिमा लगी हुई है। अराजक तत्वों ने रात में इस प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह जब इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को हुई तो वह आक्रोशित होकर मौके पर पहुंच गए। राजनैतिक पार्टियों केकार्यकर्ता ने भी मौके पर पहुंचकर इस मामले में प्रशासन से कार्रवाई को लेकर बात की है। दो दिन पहले 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती थी। वहीं, इस घटना से लोगों में रोष देखा जा रहा है। नई प्रतिमा लगाने के लिए प्रशासन जुट गया है। पुलिस घटना को लेकर पूछताछ कर छानबीन में जुटी हुई है।

छात्र को स्टेज से खींचकर छात्र ने पीटा

झांसी जयूस। बुंदेलखंड कॉलेज मेंएलएलबी तृतीय वर्ष के छात्रों की विदाई समारोह में हंगामा हो गया। पीड़ित छात्र ने पुलिस से शिकायत की है कि वह स्टेज पर कविता सुना रहा था, तभी दबंग जूनियर छात्र ने उसे स्टेज से खींचकर साथियों सहित गाली-गलौज कर पिटाई कर दी। पुलिस ने पीड़ित छात्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।
बरुआसागर थाना क्षेत्र के मोहल्ला कटरा में रहने वाले सुशील कुमार तिवारी बुंदेलखंड कॉलेज में एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। बीते रोज कॉलेज में एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्रों का विदाई समारोह था। इसमें वह अपने साथियों के साथ शामिल हुआ। वह स्टेज पर कविता सुना रहा था। तभी एलएलबी प्रथम वर्ष का छात्र अंकित पटेल अपने साथियों केसाथ आया और उसे स्टेज से खीचकर नीचे ले गया। जहां गाली-गलौज कर उसके साथ मारपीट करने लगा। इससे हंगामा मच गया। उक्त पूरी घटना की कुछ छात्रों ने वीडियो भी बनाई। जिसमें उसके साथ मारपीट की जा रही है। इसकी शिकायत सुशील ने नवाबाद थाना पुलिस से की है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

19 अप्रैल से मेहंदी बाग में श्री भक्तमाल कथा का आयोजन 19अप्रैल को

झाँसी जयूस। श्री राम जानकी मंदिर मेहंदी बाग के पाटोत्सव के उपलक्ष्य में अक्षय तृतीया 19 अप्रैल से जानकी नवमी 27 अप्रैल तक श्री भक्तमाल कथाका आयोजन किया जा रहा है जिसमें वृंदावन से पधारे हुए श्री निर्मोही अखाड़े के अध्यक्ष महंत मदन मोहन दास महाराज के श्री मुख से भक्तों के चरित्र का सुंदर वर्णन किया जाएगा इस अवसर पर अनेकों मंदिरों के महंत धर्माचार्य भी उपस्थित रहकर आशीर्वचन देंगे मेहंदी बाग के महामंडलेश्वर राम प्रिया दास महाराज एवं युवा महंत प्रेम नारायण दास महाराज की प्रतिदिन उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही प्रतिदिन श्री रामचरितमानस का नवाह पाठ एवं रामारचा महायज्ञ के साथ प्रतिदिन प्रसाद वितरण एवं भंडारे का कार्यक्रम भी संपादित होगा। यह जानकारी श्री मेहंदी बाग सरकार भक्त मंडल के राजकुमार गोस्वामी ,अनिल एवं अंचल अरजरिया ने संयुक्त रूप से दी।

एनसीआरईएस की मंडलीय कार्यकारिणी भंग

मेहनत करनेवालेनेताओं केचेहरे मायूस, नेताओं में तमाम चर्चाएं

झांसी जयूस। झांसी रेल मंडल की मान्यता प्राप्त संगठन नॉर्थ सेन्ट्रल रेलवे इम्प्लाइज संघ के बुरे दिन शुरु हो गए हैं। शुक्रवार को वर्किंग कमेटी हुई बैठक में झांसी मंडल की डिवीजनल बॉडी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया। इसकी जानकारी लगते ही संगठन के नेताओं के चेहरे मायूस हो गए है।
दिसम्बर 2024 को भारतीय रेलवे में यूनियन की मान्यता के चुनाव में एनसीआईएस एस को पूरे उत्तर मध्य रेलवे में एक नंबर पर लाने में जिस झांसी मंडल ने अपनी ताकत के दम पर परचम लहराया था, उसी झांसी मंडल में केन्द्रीय नेतृत्व ने अपनी मनमानी करते हुए एक ऐसा पदाधिकारी थोप दिया जिसकी छवि न केवल कर्मचारियों में बल्कि अधिकारियों एवं साथी पदाधिकारियों के बीच भी खराब है, और इस एक निर्णय के कारण झांसी मंडल में एनसीआरईएस के बुरे दिन शुरू हो गये थे जिसकी परिणिति आज एक वर्ष बाद ही तमाम शाखाओं के साथ साथ मंडल की कार्यकारिणी भंग करने के रूप में सामने है।
इस कार्यप्रणाली से यूनियन पर से कर्मचारियों का भरोसा तो टूटता ही है साथ ही उन कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटता है जो जी जान लगाकर मैदान पर संघर्ष करते है और दूसरी यूनियन वालों के निशाने पर होते हैं। सुनने में आ रहा है कि एनसीआईआरईएस के महामंत्री का बेटे के द्वारा, जो कि रेलकर्मी भी नहीं है, लेकिन यूनियन में ज्यादा दखलंदाजी करने के कारण यह स्थिति बन रही है क्योंकि उसका लक्ष्य रेलकर्मियों की समस्याओं का समाधान न होकर केवल चंदा इकट्ठा करना है। झांसी मंडल में रेलकर्मी पूर्व में किए गए एक मंडलीय परिवर्तन से वैसे भी एनसीआर ईएस से नाराज़ है जिसका परिणाम हाल ही में 28 फरवरी को रेलवे इंस्टीट्यूट के चुनाव परिणाम में देखने को मिला है।

लड़कियों से छींटाकसी करते एक गिरफ्तार

झांसी जयूस। नवाबाद थाने की पुलिस ने लड़कियों व महिलाओं से छीटाकसी करने के आरोप में एक युवक को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक नवाबाद थाना क्षेत्र के हैवट मार्केट तालपुरा मोहल्ले में रहने वाले मोहम्मद फिरोज को गिरफ्तार कर लिया। इस युवक को अदालत में पेश किया। मालूम हो कि मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी रोमिया द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत युवक को हैवट मार्केट में डीसी स्कूल के बगल में लड़कियों व महिलाओं से छीटाकसी करते समय गिरफ्तार कर लिया।

समस्या के समाधान तक लड़ी जायेगी स्मार्ट मीटर की लडाई: प्रदीप जैन आदित्य

झांसी जयूस। इन दिनों झांसी व ललितपुर (बुंदेलखण्ड) में विद्युत विभाग द्वारा लगाए गये स्मार्ट प्रीपेड मीटर से परेशान उपभोक्ता की समस्या को लेकर एक स्थानीय होटल में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने झांसी व ललितपुर के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये सभी राजनैतिक दलो व सामाजिक संगठनों से इस मुहिम में सहयोग करने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल को मंडलायुक्त को ज्ञापन दोय जायेगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने के बाबजूद अभी भी जबरन उपभोक्ता की बिना स्वीकृति के मीटर लगाए जा रहे है। जबकि प्रीपेड अनिवार्य नहीं है।1 अप्रैल 2026 के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के नए नियमों के अनुसार अब प्रीपेड मोड अनिवार्य नहीं रह गया है। आपके पास पोस्टपेड (महीने के अंत में बिल भरना) चुनने का कानूनी अधिकार है।ठेकेदारों ने झूठ बोलकर मीटर लगाए है कि यह अनिवार्य है। बिना सही जानकारी दिए मीटर लगाना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत सेवा में कमी माना जाता है। इलाहाबाद हाई कोर्ट (अप्रैल 2026) के अनुसार, बिजली अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। बिना किसी मानवीय सुनवाई के, केवल ऐप के माध्यम से बिजली काट देना गैर-कानूनी है। स्मार्ट मीटर डिजिटल होते हैं और बिजली आने पर,ष्ट या मोटर के शुरू होते समय लगने वाले भारी झटकेको भी रिकॉर्ड कर लेते हैं। झाँसी में बार-बार बिजली कटने के कारण, आपका मीटर हर बार उस - झटकेको यूनिट में जोड़ देता है, जिससे बिल बढ़ जाता है।ये मीटर आपकी बिजली के सिग्नेचर से पहचान सकते हैं कि आप कब एसी चला रहे हैं और कब गीजर। यह एक प्रकार से आपके निजी जीवन की जासूसी है, जिसका डेटा निजी कंपनियोंके पास जा रहा है।अप्रैल 2026 की रिपोर्ट्स के अनुसार, लाखों उपभोक्ता ऐप खराब होने के कारण अपना बिल या बैलेंस नहीं देख पा रहे हैं। एक फेल सिस्टम को जनता पर थोपना गलत है। सरकार कहती है कि मीटर फ्री है, लेकिन असल मेंजियो सिम और डेटा का खर्च आपकेफिक्स्ड च के जरिए आपसे ही वसूला जा रहा है। स्मार्ट मीटर की कैलकुलेशन कैसे हो रही है, इसका कोई हिसाब जनता को नहीं दिया जाता। पुराने मीटर की तरह इसे खुद चेक करना मुश्किल है।सरकार का कहना है कि बिल 5 गुना बढ़ने पर ही वे जाँच करेंगे। मध्यमवर्गीय परिवार के लिए,बिल का 20 प्रतिशत या 50 प्रतिशत बढ़ना भी बहुत बड़ी समस्या है।
पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष देशराज रिछारिया, शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, राहुल रिछारिया, मुकेश अग्रवाल, राजेन्द्र सिंह यादव, इदरीश खान ,मनीराम कुशवाहा, योगेन्द्र सिंह परीछा, गौरव जैन, जसपाल सिंह बन्टी, रामनरेश यादव, मोहन चंदेल, मोन्टी शुक्ला, अंकित यादव , अरविन्द बब्लू, शंभू सेन, अनिल रिछारिया, अमीर चंद आर्य, मजहर अली आदि मौजूद रहें।

मोदी सरकार जनता पर थोप रही आर्थिक बोझ : सुधांशु त्रिपाठी

झांसी जयूस। भारतीय युवा कांग्रेस के तत्वावधान में गांधी उधान कचहरी चौराहा पर केंद्र सरकार की किसान व युवा विरोधी नीति के खिलाफ चल रहे। दिवसीय किसान न्याय सत्याग्रह के दूसरे दिन युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक शिवहरे के नेतृत्व एवं शहर अध्यक्ष मो. आसिफ की अध्यक्षता में कांग्रेस जन सत्याग्रह में शामिल हुये। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुधांशु त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान केंद्र की मोदी सरकार में किसान और नौजवान सभी परेशान है। आम जनता मंहगाई, रसोई गैस व स्मार्ट मीटर व मंहगी फीस एवं किताबों से आर्थिक बोझ से दबती जा रही है। मोदी सरकार जनता पर आर्थिक बोझ थोप रही है। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, चौधरी माबूद, शेखर नलवंशी, प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस मोन्टी शुक्ला- ललितपुर, प्रदेश सचिव संजय जाटव - ललितपुर, नफीस मकरानी, दीपक अग्रवाल, प्रकाश चंद्र कुशवाहा ,अमीर चंद आर्य , सोनल सिंह पटेल, हरिओम श्रीवास, दिनेश कुमार वर्मा, , राजकुमार फौजी, गौरव झारखड़िया, नीरज सिनौरिया, बादशाह, सोम त्रिवेदी,जुनेद खान, शुभम शुक्ला, रोहित कुशवाहा, विवेक मिश्रा,मो. रोहान ,अक्सार, साहिल, प्रियांशु सोनकर, सैयद खालिद अली,फैजान हुसैन, हुमाम आदि मौजूद रहें। संचालन इंजी. शाहरुख खान एवं आभार अंकित यादव- जिला अध्यक्ष ललितपुर ने किया।

वीर क्रांतिकारी तात्या टोपे को बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

ब्रह्म विभूति स्मृति न्यास ने किया नमन, वीरता व त्याग को किया याद

झांसी जयूस। माँ भारती की स्वतंत्रता के लिए अपने रक्त से त्याग और बलिदान की अमर गाथा लिखने वाले महान क्रांतिकारी तात्या टोपे को उनके बलिदान दिवस (17 अप्रैल) पर ब्रह्म विभूति स्मृति न्यास द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम पं. अरविंद वशिष्ठ के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। न्यास के अध्यक्ष पंडित संजय दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि तात्या टोपे 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानायक थे। उन्होंने अपनी अद्वितीय सैन्य रणनीति और गुरिल्ला युद्ध प्रणाली से अंग्रेजों को कड़ी चुनौती दी। उनका जीवन त्याग, साहस और देशभक्ति की अनुपम मिसाल है। उन्होंने बताया कि तात्या टोपे का जन्म 1814 में महाराष्ट्र के नासिक के निकट येवला ग्राम में हुआ था। उनके पिता पाण्डुरंग राव भट्ट पेशवा बाजीराव द्वितीय के दरबार में कार्यरत थे। उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर पेशवा ने उन्हें रजतटित टोपी भेंट की, जिसके बाद वे 'तात्या टोपे' के नाम से प्रसिद्ध हुए। न्यास के पदाधिकारियों ने बताया कि 1857 के संग्राम में नाना साहेब के नेतृत्व में तात्या टोपे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान के बाद भी उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष जारी रखा और अपनी युद्ध कुशलता से उन्हें लगातार चुनौती देते रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने तात्या टोपे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।
गौरतलब है कि इस महान योद्धा को 17 अप्रैल 1859 को मध्यप्रदेश के शिवपुरी में फांसी दी गई थी, किंतु उनका बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर पं. अवधेश मकड़ारिया, अभिषेक दीक्षित, पं. निखिल पाठक, पं. अंकुर गोस्वामी, पं. कार्तिक पटेरिया, पं. आशीष बाजपेयी, पं. महेश शर्मा, पं. राजीव करौलिया, पं. पवन तिवारी, पं. राहुल मिश्रा, मदन तिवारी, गौरव त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पं. अशोक पाण्डेय ने किया।

विश्व हीमोफीलिया दिवस आज

समय पर जांच बचा सकती है जीवन

- टीका लगने के बाद लंबे समय तक खून निकलना जैसे लक्षण
- एक और अहम लक्षण है जोड़ों में दर्द और सूजन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं, लेकिन यह काफी गंभीर हो सकती है। इसमें शरीर में कुछ थक्के बनाने वाले कारकों की कमी के कारण खून सही तरीके से जम नहीं पाता, जिससे अगर चोट लग जाए तो सामान्य से ज्यादा खून बह सकता है। कई बार तो बिना किसी बड़ी चोट के भी अंदरूनी ब्लीडिंग होने लगती है, जो धीरे-धीरे खतरनाक रूप ले सकती है। इसलिए इसके लक्षणों को समय रहते पहचानना बेहद जरूरी है।

विश्व हीमोफीलिया दिवस हर साल 17 अप्रैल को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हीमोफीलिया और अन्य वंशानुगत रक्तस्राव विकारों के बारे में दुनियाभर के लोगों में जागरूकता फैलाना है। इस तिथि को फ्रैंक श्नाबेल के जन्मदिन के सम्मान में चुना गया था, जिन्होंने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ हीमोफिलिया की स्थापना की थी।

इस दिन का मकसद सिर्फ जानकारी देना नहीं है, बल्कि उन लोगों की परेशानियों को भी सामने लाना है जिन्हें समय पर बीमारी का पता नहीं चल पाता या सही इलाज नहीं मिल पाता। आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो बिना निदान के जी रहे हैं। ऐसे में जागरूकता अभियान लोगों को लक्षण पहचानने, जल्दी जांच कराने और सही इलाज तक पहुंच बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

अक्सर लोग सोचते हैं कि अगर थोड़ा ज्यादा खून बह गया तो इसमें खास बात क्या है, लेकिन हीमोफीलिया के मामले में यही एक बड़ी समस्या बन सकता है। खासकर बच्चों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। जब बच्चा रेंगना या चलना शुरू करता है, तब उसके शरीर पर बार-बार नीले निशान दिखने लगते हैं। कई बार ये निशान बिना किसी स्पष्ट चोट के भी आ जाते हैं। यही शुरुआती संकेत हो सकते हैं जिन्हें नजरंदाज नहीं करना चाहिए।

अगर किसी छोटे कट या चोट के बाद खून काफी देर तक बहता रहे और जल्दी बंद न हो, तो यह भी एक चेतावनी हो सकती है। इसी तरह, इंजेक्शन लगने या टीका लगने के बाद लंबे समय तक खून निकलना भी सामान्य नहीं है। कई बच्चों में नाक से बार-बार खून आना या मसूड़ों से खून बहना भी देखा जाता है। आमतौर पर लोग इसे हल्के में लेते हैं, लेकिन बार-बार ऐसा होना हीमोफीलिया का संकेत हो सकता है।

एक और अहम लक्षण है जोड़ों में दर्द और सूजन। कई बार बच्चे या बड़े बिना किसी चोट के ही घुटनों, कोहनियों या टखनों में दर्द की शिकायत करते हैं। यह दर्द अंदरूनी रक्तस्राव की वजह से हो सकता है। अगर समय पर इसका इलाज न किया जाए, तो जोड़ों को स्थायी नुकसान भी हो सकता है और चलने-फिरने में दिक्कत आने लगती है।

कुछ मामलों में पेशाब या मल में खून आना भी देखा जाता है, जो शरीर के अंदर हो रही ब्लीडिंग का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। इसके अलावा अगर किसी सर्जरी या दांत निकलवाने के बाद खून ज्यादा समय तक बहता रहे, तो यह भी हीमोफीलिया की ओर इशारा कर सकता है।

हीमोफीलिया ज्यादातर आनुवंशिक होता है, यानी यह परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी चल सकता है। अगर परिवार में किसी को यह बीमारी रही है, तो बच्चों में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है, हालांकि कुछ मामलों में यह बिना किसी पारिवारिक इतिहास के भी हो सकता है। अच्छी बात यह है कि हीमोफीलिया का पता लगाने के लिए खून की साधारण जांच ही काफी होती है। इसमें डॉक्टर यह देखते हैं कि खून जमने में कितना समय लग रहा है और शरीर में क्लॉटिंग फैक्टर का स्तर कितना है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो इलाज शुरू किया जा सकता है और कई जटिलताओं से बचा जा सकता है।

बालों को झड़ने से रोकने के लिए करें शैंपू का चुनाव

- बार-बार शैंपू बदलने से स्कैल्प के माइक्रोबायोम होते हैं प्रभावित

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज के समय में बाल झड़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है, और यह सिर्फ उम्र या मौसम तक सीमित नहीं है। छोटे-छोटे कारण, जैसे गलत शैंपू का इस्तेमाल, बार-बार प्रोडक्ट बदलना या अपने बालों के प्रकार को समझे बिना कुछ भी लगा लेना, बालों को कमजोर बना सकता है।

ज्यादातर लोग हेयरफॉल का कारण तनाव या खानपान को मानते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, स्कैल्प की देखभाल और सही शैंपू का चुनाव भी उतना ही जरूरी है। अगर शैंपू सही न हो, तो यह बालों की जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है और धीरे-धीरे बाल पतले और कमजोर होने लगते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शैंपू स्कैल्प के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करता है। हमारी स्कैल्प पर प्राकृतिक तेल 'सीबम' बनता है, जो बालों को नमी और सुरक्षा देता है। जब हम बहुत ज्यादा केमिकल वाले या बार-बार अलग-अलग शैंपू इस्तेमाल करते हैं, तो यह प्राकृतिक तेल खत्म होने लगता है। इससे स्कैल्प सूख जाती है या फिर ज्यादा तेल बनने लगता है, दोनों ही स्थिति में बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है।

वैज्ञानिक रिसर्च बताती है कि बार-बार शैंपू बदलना स्कैल्प के माइक्रोबायोम को प्रभावित करता है। स्कैल्प पर अच्छे बैक्टीरिया भी होते हैं, जो उसे स्वस्थ रखते हैं। जब हम हर कुछ दिन में नया शैंपू इस्तेमाल करते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे खुजली, डैंड्रफ और हेयरफॉल जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। इसलिए एक ही प्रकार का शैंपू चुनकर नियमित रूप से इस्तेमाल करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। अगर बालों में नमी की कमी है, तो सही शैंपू चुनना और भी जरूरी हो जाता है। मॉइस्चर देने वाले शैंपू में ऐसे तत्व होते हैं, जो बालों की ऊपरी परत को सुरक्षित रखते हैं और उन्हें सूखने से बचाते हैं। जब बालों में नमी बनी रहती है, तो उनकी जड़ें मजबूत रहती हैं और टूटने की संभावना कम हो जाती है। इसलिए ऐसे शैंपू का चयन करना चाहिए, जो बालों को पोषण देने के साथ-साथ उन्हें मुलायम और हाइड्रेटेड बनाए रखे।

ऑयली बालों की समस्या भी आजकल काफी आम हो गई है। ऐसे में लोग बार-बार बाल धोने लगते हैं, जो समस्या को और बढ़ा देता है। रिसर्च के अनुसार, जब हम बार-बार या केमिकल वाले शैंपू का इस्तेमाल करते हैं, तो स्कैल्प और ज्यादा तेल बनाने लगती है। इससे बाल जल्दी गंदे होते हैं और कमजोर भी हो जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए उन शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए, जो स्कैल्प से अतिरिक्त तेल को धीरे-धीरे हटाएं और उसका संतुलन बनाए रखें। ड्राई बालों के लिए अलग तरह की देखभाल जरूरी होती है। अगर स्कैल्प में नमी की कमी होती है, तो बाल रूखे और कमजोर हो जाते हैं। ऐसे में सल्फेट वाले शैंपू नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि ये बहुत ज्यादा सफाई करते हैं और जरूरी तेल भी हटा देते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ड्राई बालों के लिए ऐसे शैंपू बेहतर होते हैं, जिनमें हल्के और पोषण देने वाले तत्व हों, जो बालों को नुकसान पहुंचाए बिना साफ करें।

प्याज और आंवला रस का मिश्रण बालों के लिए उपयोगी

हर मौसम का पहला प्रभाव त्वचा और बालों पर पड़ता है। बदलते मौसम के बाद बालों की देखरेख करने का तरीका भी बदल जाता है। गर्मियों में बालों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी हो जाता है, क्योंकि पसीना और रूखापन बालों की जड़ों से कमजोर कर देते हैं और फिर बाल तेजी से गिरने लगते हैं। ऐसे में प्याज और आंवला आपके गिरते बालों का सहारा बन सकते हैं। बालों का झड़ना आजकल एक आम समस्या बन गया है। इसके पीछे खराब लाइफस्टाइल और पोषण की कमी भी शामिल होती है। गिरते बालों को रोकने के लिए हम बाजार में मिलने वाले महंगे उत्पादों का सहारा लेते हैं, जो स्थाई परिणाम देते हैं लेकिन हमारी किचन में मौजूद प्याज और आंवला मिलकर बालों को नया जीवन दे सकता है। प्याज का रस बालों की जड़ों में रक्त संचार बढ़ाता है और आंवला बालों को गहराई से पोषण देता है। दोनों का मिश्रण स्कैल्प को मजबूत बनाता है। यह हेयर फॉल को कम करने में सहायक होता है। बालों की ग्रोथ को सपोर्ट करता है। डैंड्रफ की समस्या दूर हो गई है।

इसके लिए आंवला के रस और प्याज के रस को समान मात्रा में मिला लें और हाथों से बालों की जड़ों तक लगाएं। अगर इसे लगाने के बाद खुजली या चुभन महसूस होती है, तो तुरंत बालों को धो लें। हर किसी की त्वचा सामान्य नहीं होती है। अधिक सेंसिटिव होने की वजह से प्याज का रस बालों में चुभन पैदा कर सकता है। इस मिश्रण को लगाने के बाद कम से कम आधा घंटा बालों में लगाए रखें और हल्के गुनगुने पानी और शैम्पू से अच्छी तरीके से धो लें। इस मिश्रण को हफ्ते में 2 बार जरूर लगाएं। बालों को धोने के बाद सीरम जरूर लगाएं। गर्मियों में बालों को धोने के बाद नमी गायब हो जाती है। अगर सीरम नहीं है तो हफ्ते में एक बार दही और एलोवेरा का मिश्रण बालों पर जरूर लगाएं।

कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक

मुंबई, (एजेंसियां)। फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज 'गली' की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में 'लैला' नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी। इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा कि लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था।

शोधकर्ताओं ने खोजी गेको की एक नई प्रजाति

सीएम सरमा ने बताया गेको की नई खोज को पूर्वोत्तर के लिए गर्व का क्षण

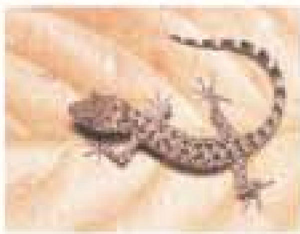

गुवाहाटी, (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को गेको की एक नई प्रजाति, 'साइर्टोडैक्टाइलस जयादित्याई' की खोज की सराहना करते हुए इसे राज्य और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खोज इस क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता को रेखांकित करती है और वन्यजीव विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे शोधकर्ताओं की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी खोजें न केवल वैज्ञानिक ज्ञान में इजाफा करती हैं, बल्कि इस क्षेत्र में लगातार पारिस्थितिक संरक्षण प्रयासों की जरूरत को भी मजबूत करती हैं। सरमा ने अपने पोस्ट में कहा कि असम और पूर्वोत्तर के लिए यह एक गर्व का क्षण है। गेको की एक नई प्रजाति, 'साइर्टोडैक्टाइलस जयादित्याई' की खोज हमारी समृद्ध जैव विविधता और हमारे शोधकर्ताओं की बढ़ती ताकत को उजागर करती है।

उन्होंने आगे कहा कि यह देखकर उत्साह मिलता है कि संरक्षण की पहल और वैज्ञानिक प्रतिभाएं मिलकर काम कर रही हैं, ताकि ऐसी महत्वपूर्ण खोजों को दुनिया के सामने लाया जा सके। उनके अनुसार, यह खोज नाजुक पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा के महत्व को और मजबूत करती है, विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत जैसे जैव विविधता वाले क्षेत्रों में। नई पहचानी गई प्रजाति साइर्टोडैक्टाइलस वंश से संबंधित है, जिसे आमतौर पर 'बेंट-टोएड गेको' (मुड़ी हुई उंगलियों वाले गेको) के रूप में जाना जाता है।

ये पूरे एशिया में व्यापक रूप से पाए जाते हैं और अपनी पारिस्थितिक विविधता के लिए जाने जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि साइर्टोडैक्टाइलस जयादित्याई की पहचान से इस क्षेत्र में प्रजातियों के विकास और आवास विशेषज्ञता को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते रहे हैं कि पूर्वोत्तर, अपनी अनूठी जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण, भारत के सबसे अधिक जैविक रूप से विविध क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। यहां अक्सर पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं की नई प्रजातियां मिलती रहती हैं।

अक्षय तृतीया पर मंदिरों में होते हैं खास आयोजन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सनातन धर्म में अक्षय तृतीया को सबसे पवित्र और शुभ तिथि में से एक माना जाता है। वैसाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि नारायण को समर्पित है। संस्कृत में 'अक्षय' शब्द का अर्थ है 'जो कभी खत्म न हो', इसलिए इस दिन किए गए दान, पुण्य, नए कार्य शुरू करना और घर-मंदिर का निर्माण हमेशा फलदायी माना जाता है। इस दिन पूरे 24 घंटे शुभ रहते हैं। किसी भी शुभ काम के लिए अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं पड़ती। ज्योतिषियों के अनुसार अक्षय तृतीया का दिन नए व्यापार, निवेश, विवाह और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की शुरुआत के लिए अत्यंत अनुकूल होता है। लिहाजा, इस पावन अवसर अक्षय तृतीया तिथि पर कई मंदिरों में विशेष उत्सव और कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

अक्षय तृतीया तिथि के दिन से चार धाम यात्रा का शुभारंभ हो जाता है। गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट इसी दिन फिर से खुल जाते हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिर भी अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर खुल जाते हैं। मान्यता है कि इन महीनों में देवता स्वयं भगवान शिव और विष्णु की पूजा करते हैं। पुरी में भगवान जगन्नाथ की प्रसिद्ध रथ यात्रा की तैयारी भी अक्षय तृतीया से शुरू होती है। पुरी में बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के तीनों रथों का निर्माण इसी दिन प्रारंभ होता है। मंदिर के पुजारी भगवान को माला पहनाकर निर्माण कार्य की शुरुआत करते हैं।

आंध्र प्रदेश के सिंहाचलम मंदिर में अक्षय तृतीया के दिन चंदन लेप हटाकर भगवान वराह नरसिंह का निज रूप दर्शन कराए जाते हैं। पूरे साल चंदन की परत से ढकी रहने वाली मूर्ति केवल अक्षय तृतीया के दिन ही भक्तों को अपने वास्तविक स्वरूप में दिखाई देती है। वहीं, तमिलनाडु के कुंभकोणम में कई विष्णु मंदिरों में गरुड़ वाहन पर देवताओं की शोभा यात्रा निकाली जाती है।

परिवार बनाने का इरादा न होने पर शादी जरूरी नहीं : अविनाश तिवारी

मुंबई, (एजेंसियां)। फिल्मी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अविनाश तिवारी अपनी दमदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी सोच और बेबाक विचारों को लेकर भी पहचाने जाते हैं। उन्होंने शादी जैसे अहम विषय पर अपनी राय पेश की है। अविनाश तिवारी ने कहा कि आज के दौर में शादी उतनी जरूरी नहीं है, जितनी पहले मानी जाती थी। शादी का महत्व तब ज्यादा होता है, जब कोई व्यक्ति परिवार शुरू करना चाहता है। अगर किसी का परिवार बनाने का इरादा नहीं है, तो शादी करना जरूरी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बिना शादी के भी दो लोग एक साथ रह सकते हैं और जीवनसाथी बन सकते हैं। किसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी जरूरी नहीं है, बल्कि समझ, सम्मान और आपसी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है। उम्र को लेकर भी अविनाश ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उम्र का फैक्टर तब सामने आता है, जब कोई बच्चा पैदा करने की योजना बना रहा होता है। यही कारण है कि लोग सही समय पर शादी करने की सलाह देते हैं, ताकि शारीरिक रूप से सब कुछ ठीक रहे, लेकिन अगर कोई व्यक्ति परिवार नहीं बनाना चाहता, तो उसके लिए उम्र कोई बड़ी बाधा नहीं होती और वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जी सकता है। अविनाश तिवारी ने कहा कि समय के साथ समाज की सोच बदल रही है और मेडिकल साइंस में हुई तरक्की ने भी लोगों के नजरिए को बदला है।

स्वर्ण रेखा नदी किनारे फिर मिला द्वितीय विश्व युद्ध का जिंदा बम

एक महीने में तीसरी घटना

जमशेदपुर, (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के अंतर्गत बहरागोड़ा के पानीपोड़ा-नागुड़साई क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब स्वर्णरेखा नदी के किनारे द्वितीय विश्व युद्ध के काल का एक विशालकाय जिंदा बम बरामद हुआ। पिछले एक महीने के भीतर इस इलाके में युद्धकालीन विस्फोटक मिलने की यह तीसरी घटना है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गर्मी के कारण नदी का जलस्तर घटने से रेतीली सतह के नीचे दबे ये पुराने बम अब बाहर आने लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात नागुड़साई गांव के कुछ ग्रामीण जब नदी किनारे मछली पकड़ने पहुंचे थे, तब उन्हें रेतीली सतह पर लोहे जैसी एक बड़ी संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। पास जाने पर उसके बम होने का पता चलते ही अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर बहरागोड़ा थाना पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से ग्रामीणों के वहां जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, यह बम दशकों पुराना है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार इसमें विस्फोट की क्षमता बरकरार हो सकती है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

बता दें कि इससे पहले 17 मार्च को भी इसी इलाके में दो शक्तिशाली बम मिले थे, जिसे सेना की टीम ने अमेरिकी निर्मित बताया था। उस समय करीब 227 किलोग्राम वजनी बम को निष्क्रिय करने के लिए सेना के विशेषज्ञों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर करीब डेढ़ किलोमीटर के दायरे को खाली कराया गया था और बालू की बोरियों के सुरक्षा घेरे में नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्ट) के जरिए उसे डिफ्यूज किया गया था।

बार-बार विस्फोटक मिलने की घटनाओं से स्पष्ट है कि इस पूरे बेल्ट में जमीन के नीचे अब भी कई बम दबे हो सकते हैं। स्वर्णरेखा नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से पूरे इलाके की आधुनिक उपकरणों से 'स्कैनिंग' कराने की मांग की है।

वरदराज पेरुमल मंदिर : यहां 40 साल के जलवास पर हैं भगवान विष्णु

- साल 2059 में भक्तों को मिल पाएंगे दुर्लभ दर्शन
- भगवान विष्णु वरदराजा पेरुमल के रूप में अपनी पत्नी पेरुंदेवी थायर के साथ विराजमान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दुनिया के सात सबसे पुराने शहरों में से एक तमिलनाडु का कांचीपुरम अपनी संस्कृति के साथ-साथ आस्था के लिए भी मशहूर है। कांचीपुरम में तकरीबन 125 बड़े मंदिर हैं, जिनका अपना-अपना इतिहास है लेकिन एक ऐसा मंदिर भी स्थापित है कि जिसकी लोकप्रियता बीते 10 सालों में बहुत बढ़ चुकी है। हम बात कर रहे हैं वरदराज पेरुमल मंदिर की।

तमिलनाडु के शांत शहर कांचीपुरम में स्थित वरदराजा पेरुमल मंदिर बाकी मंदिरों से काफी अलग है। इस मंदिर का समृद्ध इतिहास और भव्य स्थापत्य कला उसे अनोखा बनाती है। यहां भगवान विष्णु वरदराजा पेरुमल के रूप में अपनी पत्नी पेरुंदेवी थायर के साथ विराजमान हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मंदिर की स्थापना राजा कृष्ण वर्मा के शासनकाल में हुई थी, जिन्होंने थामिरबरानी नदी में स्नान करते समय एक पवित्र नीले पत्थर की मूर्ति की खोज की थी। इस मंदिर का इतिहास साहस और रक्षा की कहानियों से भरा हुआ है। माना जाता है कि राजा कृष्णवर्मा के राज्य पर आक्रमण होने के बाद उन्होंने भगवान विष्णु से प्रार्थना की थी, जब दैवीय शक्तियों ने आकर राजा की युद्ध में मदद की थी और आक्रमणकारी सेनाओं को खदेड़ दिया था। भगवान विष्णु की कृपा पाकर राजा ने मंदिर का भव्य निर्माण कराया था। मंदिर अपने आकार और बनाव की वजह से काफी प्रसिद्ध है, लेकिन भक्तों की आस्था भगवान विष्णु के साथ मंदिर के गर्भगृह में मौजूद सोने और चांदी की छिपकलियों से भी जुड़ी है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, दोनों छिपकलियों के दर्शन करने से अर्थ (धन) से जुड़ी परेशानी दूर होती है। ये दोनों छिपकलियां महर्षि गौतम के शिष्य माने जाते हैं, जो श्राप मुक्ति के लिए मंदिर में आए थे।

मंदिर की सबसे खास बात है भगवान विष्णु की प्रतिमा, जो फिलहाल अभी जलवास पर है। प्रतिमा का निर्माण अंजीर के पेड़ की लकड़ी से किया गया है, और पानी में सालों तक रहने से भी प्रतिमा में कोई बदलाव नहीं आता है। प्रतिमा को आखिरी बार आनंद सरस सरोवर से 28 जून 2019 में निकाला गया। अब प्रतिमा को 2059 में निकाला जाएगा। प्रतिमा को बिना किसी सुरक्षा लेप के जलवास दिया जाता है, लेकिन न तो प्रतिमा फूलती है और न ही उसमें घुन लगता है। यही कारण है कि भक्तों के भी भगवान वरदराजा पेरुमल की आस्था अधिक है।

संपादक की कलम से

व्यवस्था का कड़वा सच

हर सफल संस्था की रीढ़ ईमानदार और परिश्रमी लोगों से बनती है। किसी दफ्तर, विद्यालय या शासन व्यवस्था की गाड़ी उन गिने-चुने लोगों के श्रम, निष्ठा और जिम्मेदारी से चलती है, जो अपने कर्तव्य को धर्म समझते हैं। ऐसे लोग बिना किसी पुरस्कार या प्रशंसा की अपेक्षा के अपने हिस्से का काम पूर्ण मनोयोग से करते हैं। इन्हीं लोगों के परिश्रम के कारण ही कई खोटे सिक्के भी सहजता से चल जाते हैं। वे जानते हैं कि संस्था की साख इन ईमानदार लोगों से बनी है, इसलिए खोटे कर्मचारियों के दोष उसी उज्ज्वल साख की परछाई के पीछे छिप जाते हैं।

एक कहावत है कि खोटे सिक्के खरे सिक्कों की आड़ में चल पाते हैं। यह तथ्य केवल बाजार या मुद्रा तक सीमित नहीं, यह तो जीवन के हर क्षेत्र में लागू होती है। वैसे सरकारी दफ्तरों का उदाहरण देखा जा सकता है, जहां असंख्य खरे सिक्के भी हैं, ईमानदार, कर्मठ, जिम्मेदार कर्मचारी, पर इनको अक्सर खोटे सिक्कों के साथ सहअस्तित्व बना कर चलना पड़ता है। ये राष्ट्र की सेवा का भाव लेकर काम करते लोग, अपने काम को साधना समझते लोग, सुबह समय पर पहुंचते लोग, समय से फाइलें निपटाते लोग, घर लौटते समय यह संतोष रखते हैं कि आज का दिन निष्कलंक गया, फलदायी गया। मगर यथार्थ में ऐसे लोग ही धीरे-धीरे सबसे अधिक अकेले पड़ जाते हैं, क्योंकि वे व्यवस्था के 'गैरलिखित नियमों' को नहीं जानते। वह नियम, जो कहता है कि यहां काम से नहीं, जनसंपर्क से, कुशल व्यवहार से हर गति है।

धीरे-धीरे ये खरे सिक्के यह महसूस करते हैं कि उसकी चमक आसपास के लोगों की आंखों को चुभती है। उसके खिलाफ एक अनकही अस्वीकार्यता का वातावरण तैयार हो जाता है। नतीजतन, उसे अलग-थलग कर दिया जाता है। उसके उत्साह को 'दिखावा' उसके परिश्रम को बेमानी कहा जाता है। मनुष्य का मनोविज्ञान यही है, जिसके श्रम के कारण हमारी सुस्ती प्रकाश में आए, उसके श्रम को ही असहज बना दिया जाए। धीरे-धीरे वही होता है, जो नहीं होना चाहिए। औसतपन एक आदर्श बन जाता है और जिस आदर्श कार्यशैली से सबको प्रेरणा लेनी चाहिए थी, वह बुझती हुई खंभा-बत्ती बन कर रह जाती है। इस प्रवृत्ति की वजह से किसी भी संस्थान के संवेदनशील न होने का पता चलता है, एक विचित्र दांवपेच को बढ़ावा मिलता है, योग्य और सक्षम लोगों को दरकिनार होना पड़ता है, लेकिन इसका खमियाजा समूचे संस्थान को उठाना पड़ता है। इसके बावजूद समाज को इस प्रकृति से बहुत ज्यादा गुरेज नहीं होता।

सरकारी तंत्र में तो यह प्रवृत्ति और गहरी है। वहां समय के साथ 'खोटे सिक्के' एक-दूसरे के लिए कवच बन जाते हैं। वे एक-दूसरे की गलतियां ढकते हैं, एक-दूसरे की उपस्थिति को आवश्यक बनाते हैं। जबकि जो 'खरे' हैं, वे अपने ही ईमान की सजा भुगतते हैं। कोई भी उन्हें खुलकर बुरा नहीं कहता, बस उनके आसपास एक अजीब-सी चुप्पी बुन दी जाती है। यह एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक बहिष्कार है, सूक्ष्म और घातक। इसके असर का अंदाजा लगाना क्या इतना मुश्किल है?

मनुष्य का मन सदैव समूह की स्वीकृति चाहता है। इसलिए वह अपने अंतर्मन की सच्चाई के बजाय समूह के मानदंडों को सत्य मानने लगता है। जब औसतपन एक आदर्श बन जाता हो, तो अपनी क्षमता पर संदेह होना स्वाभाविक है। मनुष्य सबसे अधिक सहज तब होता है, जब उसे अपने गलत होने का डर नहीं रहता। यही बात कार्यालयों पर भी लागू होती है। वहां जो व्यक्ति नियम तोड़ता है, यह जानता है कि वह अकेला नहीं। काम करने वालों की अपेक्षा काम न करने वाले सदैव संख्या में अधिक रहेंगे। यही संख्या बल का आत्मविश्वास उसे निर्भीक बनाता है, और यही निर्भीकता ईमानदारों की असहजता का कारण बनती है।

एक उदाहरण देखा जा सकता है। किसी दफ्तर में दो कर्मचारी हैं। पहला हर महीने समय पर फाइलें पूरी करता है, किसी से रिश्वत नहीं लेता। दूसरा काम टालता है, कभी किसी की फाइल रोक देता है, कभी 'चाय पानी की भाषा' में बात करता है। मगर जब अहम वक्त आता है, तो दूसरे वाले की 'मिलनसार प्रवृत्ति' और 'सामाजिक बुद्धिमत्ता' की तारीफ की जाती है। जबकि वास्तविक रूप में कार्य करने वाले की अच्छाई केवल तब तक अच्छी लगती है, जब तक वह दूसरों को आईना नहीं दिखाती।

खोटे सिक्के चल पाते हैं, क्योंकि उनका चलन सामूहिक समझौते से बनता है। कोई उन्हें रोकता नहीं, क्योंकि हर कोई कहीं-न-कहीं वैसा थोड़ा-थोड़ा बन चुका होता है। व्यवस्था में इसे 'मौन सहमति' प्राप्त होती जाती है। धीरे-धीरे यह स्थिति इतनी सामान्य हो जाती है कि खरे सिक्के स्वयं को अनुपयोगी समझने लगते हैं। वे या तो घर बैठ जाते हैं, या स्वयं को औसत बना लेते हैं। और यही वह क्षण है जहां हम देखते हैं कि बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है। यह उक्ति केवल अर्थशास्त्र का ही नहीं, मनोविज्ञान का सबसे क्रूर सत्य उजागर करती है। जब समाज, संस्था, या व्यवस्था में खोटे सिक्कों का बोलबाला हो जाता है, तब खरे सिक्के अपने ही मूल्य से वंचित हो जाते हैं। वे चलन से बाहर हो जाते हैं, जैसे नैतिकता, आदर्श, सच्चाई, श्रम, लगन ये सब घिसी-पिटी बातें हों। और फिर धीरे-धीरे खोटे सिक्के ही असली मुद्रा बन जाते हैं- सबकी जेबों में, सबके मन में!

हम ऐसे समाज में रहते हैं, जहां लोग एक-दूसरे के जीवन में बहुत रुचि लेते हैं। यह रुचि कई बार अपनापन लगती है, लेकिन कई बार यही दखलंदाजी बन जाती है। जब कोई सार्वजनिक जगह पर रिश्तों का सहारा लेकर किसी से उसके जीवन के फैसलों पर सवाल करता है, तो वह केवल एक साधारण बात नहीं होती। वह उस व्यक्ति के आत्मसम्मान को छू जाती है। हर इंसान का जीवन उसका अपना होता है। उसमें उसके सपने होते हैं, उसकी मेहनत होती है, उसकी विफलताएं होती हैं और उम्मीदें भी। हर किसी की गति अलग होती है। कोई जल्दी सफलता पा लेता है, कोई देर से। कोई अपनी राह खुद चुनता है, कोई परिवार की अपेक्षाओं के साथ चलता है। समस्या यह है कि समाज सबके लिए एक ही तरह के मापदंड बना देता है। ऐसे में जो उससे अलग चलता है, वह सवालों के घेरे में आ जाता है।

परिसीमन 2026 से क्यों चिंतित हैं दक्षिण भारतीय राज्य?

महेन्द्र तिवारी

परिसीमन 2026 से क्यों चिंतित हैं दक्षिण भारतीय राज्य?

- महेन्द्र तिवारी

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2026 एक निर्णायक मोड़ के रूप में अंकित होने जा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया जिसे परिसीमन कहा जाता है वह अब एक राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुकी है। यह प्रक्रिया केवल भौगोलिक सीमाओं के अंकन तक सीमित नहीं है अपितु यह भारतीय संघवाद की आत्मा और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के मूल सिद्धांतों को प्रभावित करने वाली है। वर्तमान परिसीमन विधेयक 2026 ने देश के राजनीतिक मानचित्र को पुनः परिभाषित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस विधेयक के केंद्र में जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण है। पिछले कई दशकों से भारत में लोकसभा की सीटों की संख्या 543 पर स्थिर रही है जिसका आधार 1971 की जनगणना थी। उस समय की जनसंख्या और वर्तमान समय की जनसंख्या के बीच

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2026 एक निर्णायक मोड़ के रूप में अंकित होने जा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया जिसे परिसीमन कहा जाता है वह अब एक राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुकी है। यह प्रक्रिया केवल भौगोलिक सीमाओं के अंकन तक सीमित नहीं है अपितु यह भारतीय संघवाद की आत्मा और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के मूल सिद्धांतों को प्रभावित करने वाली है। वर्तमान परिसीमन विधेयक 2026 ने देश के राजनीतिक मानचित्र को पुनः परिभाषित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस विधेयक के केंद्र में जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण है। पिछले कई दशकों से भारत में लोकसभा की सीटों की संख्या 543 पर स्थिर रही है जिसका आधार 1971 की जनगणना थी। उस समय की जनसंख्या और वर्तमान समय की जनसंख्या के बीच का अंतराल इतना विशाल हो चुका है कि एक सांसद के लिए अपनी विशाल जनता का प्रभावी प्रतिनिधित्व करना कठिन हो गया है। इसी समस्या के समाधान हेतु नए विधेयक में निचले सदन की सीटों की संख्या को बढ़ाकर लगभग 850 करने का प्रस्ताव है। यह विस्तार नए संसद भवन की क्षमता और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए आवश्यक माना जा रहा है।

परिसीमन की इस यात्रा को समझने के लिए इसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर दृष्टि डालना अनिवार्य है। भारत में 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान के 42वें संशोधन के माध्यम से सीटों के पुनर्वितरण पर रोक लगा दी गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन राज्यों को सुरक्षा प्रदान करना था जिन्होंने परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया था। सरकार का मानना था कि यदि केवल जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ाई गई तो जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्य राजनीतिक रूप से कमजोर हो जाएंगे। इस रोक को पहले वर्ष 2001 तक और फिर 84वें संशोधन द्वारा वर्ष 2026 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। अब जबकि यह समय सीमा समाप्त हो रही है सरकार ने इस प्रक्रिया को पुनः सक्रिय करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि इसे महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन से जोड़ दिया गया है। वर्ष 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अनुसार संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी हैं। हालांकि इस आरक्षण के प्रभावी होने की पूर्व शर्त परिसीमन की प्रक्रिया का पूर्ण होना है। इस प्रकार परिसीमन अब केवल जनसंख्या का गणित नहीं बल्कि लैंगिक न्याय और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का प्रवेश द्वार भी बन गया है।

विधेयक के प्रस्तुत होते ही देश में एक वैचारिक विभाजन स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना इस प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। इन राज्यों का तर्क अत्यंत सुदृढ़ और तर्कसंगत है। उनका कहना है कि पिछले पांच दशकों में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसके परिणामस्वरूप वहां जनसंख्या वृद्धि दर उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में काफी कम रही है। यदि अब सीटों का आवंटन केवल जनसंख्या की संख्या के आधार पर होता है तो इन राज्यों की संसद में हिस्सेदारी वर्तमान की तुलना में कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होने के कारण उनकी सीटों में भारी वृद्धि होने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें वर्तमान 80 से बढ़कर 140 से अधिक हो सकती हैं। वहीं दक्षिणी राज्यों की सीटों में भी संख्यात्मक वृद्धि तो होगी किंतु कुल संसद में उनका प्रतिशत हिस्सा घट जाएगा। यह स्थिति दक्षिण के राज्यों को यह संदेश देती है कि उनके द्वारा किए गए विकास और जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों का उन्हें राजनीतिक पुरस्कार मिलने के स्थान पर दंड मिल रहा है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह विवाद सत्ता के संतुलन से जुड़ा है। उत्तर भारत के राज्यों में वर्तमान सत्ताधारी दलों की पैठ अधिक गहरी है। विपक्ष का आरोप है कि सीटों के इस नए वितरण से उन दलों को लाभ होगा जिनका आधार उच्च जनसंख्या वाले क्षेत्रों में है। इस प्रकार परिसीमन एक निष्पक्ष प्रशासनिक प्रक्रिया के स्थान पर राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने का उपकरण बन सकता है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी राज्य की वर्तमान सीटों को कम नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित ढांचे के अनुसार यदि कुल सीटें 850 तक पहुंचती हैं तो दक्षिणी राज्यों की कुल सीटें वर्तमान 129 से बढ़कर लगभग 195 हो सकती हैं। सरकार का तर्क है कि जब हर राज्य की सीटों में वृद्धि होगी तो किसी के साथ अन्याय होने का प्रश्न ही नहीं उठता। किंतु विवाद का वास्तविक बिंदु कुल संख्या नहीं बल्कि तुलनात्मक शक्ति है। यदि उत्तर भारत की शक्ति दक्षिण के मुकाबले अधिक तेजी से बढ़ती है तो नीति निर्माण और बजटीय आवंटन में उत्तर का प्रभाव अधिक प्रबल हो जाएगा।

आर्थिक मोर्चे पर भी दक्षिणी राज्यों के अपने तर्क हैं। ये राज्य देश के सकल घरेलू उत्पाद में बड़ा योगदान देते हैं और अधिक राजस्व केंद्र को प्रदान करते हैं। उनका मत है कि केवल जनसंख्या को ही प्रतिनिधित्व का आधार मानना आधुनिक शासन व्यवस्था के विरुद्ध है। कुछ क्षेत्रीय नेताओं ने सुझाव दिया है कि परिसीमन के लिए एक मिश्रित मॉडल अपनाया जाना चाहिए जिसमें जनसंख्या के साथ-साथ शिक्षा के स्तर, स्वास्थ्य संकेतकों और आर्थिक योगदान को भी कुछ महत्व दिया जाए। हालांकि संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करना संवैधानिक रूप से अत्यंत जटिल होगा क्योंकि भारत का लोकतंत्र एक व्यक्ति एक वोट के सिद्धांत पर आधारित है। किसी भी मतदाता के वोट का मूल्य उसके क्षेत्र की आर्थिक प्रगति या शिक्षा के आधार पर कम या अधिक नहीं किया जा सकता। इस जटिलता के कारण सरकार के सामने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की चुनौती है जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संघीय संतुलन के बीच सामंजस्य बिठा सके।

परिसीमन आयोग की कार्यप्रणाली भी इस बहस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है जिसका गठन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है। इसकी अध्यक्षता सामान्यतः सर्वोच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाती है और इसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा संबंधित राज्यों के निर्वाचन आयुक्त शामिल होते हैं। आयोग की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि इसके द्वारा जारी किए गए आदेशों को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। ये आदेश राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद कानून का रूप ले लेते हैं। इस अपार शक्ति के कारण विपक्ष ने आयोग की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि आयोग की संरचना में राज्यों का अधिक प्रतिनिधित्व होना चाहिए ताकि क्षेत्रीय चिंताओं को बेहतर ढंग से सुना जा सके। विधेयक में यह भी प्रावधान है कि संसद यह निश्चित करेगी कि किस वर्ष की जनगणना को आधार बनाया जाए। इससे सरकार को समय और परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की शक्ति मिलती है जो आलोचकों के अनुसार राजनीतिक हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

विधेयक के दीर्घकालिक परिणामों पर विचार करें तो वर्ष 2029 के आम चुनाव भारत के लिए पूरी तरह से भिन्न होंगे। संसद के भीतर का परिदृश्य बदल जाएगा। बड़ी संख्या में नए सांसदों की उपस्थिति और महिलाओं के लिए आरक्षित 33 प्रतिशत सीटों के साथ भारतीय विधायी ढांचे का चेहरा बदल जाएगा। यह परिवर्तन केवल संख्यात्मक नहीं बल्कि गुणात्मक भी हो सकता है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से नीति निर्माण में अधिक संवेदनशीलता और सामाजिक विषयों पर अधिक ध्यान दिए जाने की अपेक्षा है। किंतु इस उज्ज्वल पक्ष के साथ क्षेत्रीय असंतुलन का काला बादल भी मंडरा रहा है। यदि उत्तर और दक्षिण के बीच का राजनीतिक अंतराल बढ़ता है तो यह भारत की एकता और अखंडता के लिए एक नई चुनौती पेश कर सकता है। संघीय ढांचे में राज्यों का विश्वास बनाए रखना केंद्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए व्यापक परामर्श और संभवतः संविधान के उच्च सदन अर्थात राज्यसभा की शक्तियों में वृद्धि जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है ताकि राज्यों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।निष्कर्षतः परिसीमन विधेयक 2026 केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं है बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के अगले अध्याय की पटकथा है। इसमें एक ओर जनसंख्या के आधार पर न्यायोचित प्रतिनिधित्व देने की आकांक्षा है तो दूसरी ओर संघीय संतुलन बिगड़ने का वास्तविक भय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या का महत्व सर्वोपरि है परंतु विविधतापूर्ण राष्ट्र में सभी क्षेत्रों की भावनाओं का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है। आने वाले वर्षों में यह देखना रोचक होगा कि भारत सरकार और राजनीतिक दल इस संवैधानिक अनिवार्यता और क्षेत्रीय न्याय के बीच कैसे संतुलन साधते हैं। अंततः सफलता उसी मॉडल में निहित होगी जो भारत के प्रत्येक नागरिक को यह अनुभव कराए कि संसद में उसकी आवाज और उसके राज्य का महत्व अक्षुण्ण है चाहे वह भौगोलिक रूप से कहीं भी स्थित हो। यह विधेयक भारतीय राजनीति की परिपक्वता की परीक्षा है जो यह तय करेगा कि आने वाले दशकों में देश का संघीय ढांचा कितना सुदृढ़ और समावेशी होगा। 2026 का यह मोड़ भारत के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाला एक ऐतिहासिक क्षण सिद्ध होने जा रहा है।

महिला आरक्षण को लेकर मायावती का विरोधियों तीखा प्रहार

संजय सक्सेना

महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने के बाद देश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई सीटें आरक्षित करने वाले इस कानून ने सभी दलों को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर दिया है। इसी सिलसिले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर भाजपा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर सीधी चोट की है। उन्होंने कांग्रेस को गिरगिट तक कह डाला है। मायावती का कहना है कि कांग्रेस दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के मुद्दों पर दोहरा चरित्र अपनाती रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि देश के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों के मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड कभी भरोसेमंद नहीं रहा। मायावती ने आरोप लगाया कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब इन वर्गों को आरक्षण का पूरा लाभ दिलाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आज महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस इन वर्गों की बात कर रही है लेकिन यह महज राजनीतिक मजबूरी है।

मायावती ने अपने पोस्ट में भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहते हुए दलितों और पिछड़ों के हितों की अनदेखी करती रही है। समाजवादी पार्टी को भी उन्होंने पिछड़े वर्गों के प्रति उदासीन बताया। बसपा प्रमुख ने चेतावनी दी कि महिला आरक्षण कानून का लाभ एससी एसटी और ओबीसी महिलाओं को मिलना चाहिए अन्यथा यह कानून मात्र दिखावा साबित होगा। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि वे इन वर्गों की महिलाओं के लिए वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करें। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इस खबर को गहराई से समझने के लिए हमें पहले महिला आरक्षण अधिनियम के संदर्भ को देखना होगा। यह कानून 128 संशोधन विधेयक के रूप में 2023 में पारित हुआ था। लोकसभा राज्यसभा और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान इसमें है। लेकिन इसका पूर्ण कार्यान्वयन 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद होगा जब परिसीमन होगा। इसी बीच मायावती का यह बयान राजनीतिक दलों के बीच आरक्षण के लाभार्थियों को लेकर हो रही बहस को तेज कर रहा है। बसपा हमेशा से दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक वोट बैंक पर निर्भर रही है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां जातिगत समीकरण निर्णायक होते हैं वहां यह बयान बसपा की रणनीति का हिस्सा लगता है।

मायावती का कांग्रेस पर गिरगिट कहना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद आरक्षण नीतियों को लागू तो किया लेकिन कई बार इसे कमजोर करने की कोशिश भी की। उदाहरण के तौर पर 1990 के मंडल आयोग की सिफारिशों के समय कांग्रेस ने विरोध किया था। वी पी सिंह की सरकार ने ओबीसी आरक्षण लागू किया तो कांग्रेस ने इसे अदालत में चुनौती दी। मायावती का इशारा इसी ओर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में रहते हुए एससी एसटी को प्रमोशन में आरक्षण देने से कतरा गई। 2006 में प्रमोशन में आरक्षण बिल लाने की कोशिश हुई लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। आज जब महिला आरक्षण आया तो कांग्रेस एससी एसटी ओबीसी महिलाओं के कोटे की बात कर रही है जो पहले कभी नहीं उठाई। यह राजनीतिक उलटफेर मायावती को चुभ रहा है।

भाजपा पर मायावती का हमला भी कम तीखा नहीं है। भाजपा ने महिला आरक्षण बिल पास कराया लेकिन इसमें एससी एसटी ओबीसी के उप कोटा का जिक्र नहीं है। विपक्ष ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। मायावती का कहना है कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर दलितों के खिलाफ अत्याचारों को नजरअंदाज करती है। उत्तर प्रदेश में बसपा शासनकाल में मायावती ने दलितों के लिए कई योजनाएं चलाई लेकिन अब वे कहती हैं कि भाजपा ने उन सबको उलट दिया। समाजवादी पार्टी पर भी उन्होंने चोट की जो यादव और मुस्लिम वोट पर केंद्रित है। सपा को पिछड़ों का ठेकेदार बताते हुए मायावती ने कहा कि यह दल अन्य पिछड़ों की अनदेखी करता है।

इस बयान का राजनीतिक संदर्भ गहरा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में झटका लगा था। नरेंद्र मोदी की लहर के बावजूद सपा और कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं। बसपा मात्र एक सीट पर सिमट गई। अब 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। मायावती जानती हैं कि महिला आरक्षण बहस में दलित महिलाओं का मुद्दा उठाकर वे अपना वोट बैंक मजबूत कर सकती हैं। बसपा का कोर वोटर जाटव समुदाय है जो एससी का बड़ा हिस्सा है। मायावती का यह पोस्ट दलित युवाओं को लामबंद करने का प्रयास है।

कांग्रेस की स्थिति भी कमजोर नहीं है। राहुल गांधी ने हाल ही में जाति जनगणना की मांग उठाई है। वे कहते हैं कि महिला आरक्षण में एससी एसटी ओबीसी का उपकोटा जरूरी है। लेकिन मायावती इसे दिखावा मानती हैं। कांग्रेस का इतिहास देखें तो नेहरू काल में आरक्षण को अस्थायी बताया गया था। इंदिरा गांधी ने इसे मजबूत किया लेकिन सोनिया राज में भी प्रमोशन आरक्षण टला रहा। आज प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में सक्रिय हैं और दलित मुद्दों पर बोलती हैं लेकिन मायावती को भरोसा नहीं। गिरगिट वाली टिप्पणी इसी अविश्वास को दर्शाती है।भाजपा का पक्ष भी देखा जाए तो उन्होंने आरक्षण को संवैधानिक दर्जा दिया। मोदी सरकार ने एससी एसटी एक्ट को मजबूत किया। लेकिन मायावती के आरोप सत्ता के दुरुपयोग के हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पर दलित अत्याचार के मामले बढ़ने का इल्जाम लगता है। बसपा इसे भुनाने की कोशिश कर रही है। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने भी महिला आरक्षण पर उपकोटा की बात की लेकिन मायावती उन्हें भी निशाने पर ले रही हैं। महिला आरक्षण का असली सवाल लाभार्थी कौन होंगे। कुल सीटों का एक तिहाई महिलाओं को मिलेगा लेकिन एससी एसटी ओबीसी का अनुपात क्या होगा। संविधान में एससी के लिए 15 प्रतिशत एसटी के लिए 7.5 और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण है। लेकिन विधानसभाओं में यह लागू नहीं होता। लोकसभा में एससी एसटी सीटें आरक्षित हैं लेकिन ओबीसी नहीं। महिला आरक्षण में उपकोटा न होने से सामान्य वर्ग की महिलाओं को फायदा हो सकता है। मायावती इसी डर से चिंतित हैं। वे चाहती हैं कि दलित पिछड़ी महिलाओं को अलग कोटा मिले। इस बहस से देशव्यापी प्रभाव पड़ेगा। बिहार झारखंड और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जातिगत समीकरण उलट सकते हैं। बिहार में नीतीश कुमार ने ओबीसी सर्वे कराया जो कांग्रेस भाजपा को असहज कर रहा है। मायावती का बयान बहुजन समाज को एकजुट करने का संदेश दे रहा है। बसपा अकेली पार्टी है जो दलित पिछड़े अल्पसंख्यकों को एक मंच देती है। मायावती की राजनीति हमेशा आक्रामक रही है। 1995 में वे पहली दलित महिला मुख्यमंत्री बनीं। 2007 में बसपा ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत हासिल किया। लेकिन उसके बाद पार्टी का ग्राफ गिरा। 2019 और 2024 में हार ने उन्हें सोचने पर मजबूर किया। अब वे सोशल मीडिया का सहारा ले रही हैं। एक्स पर उनका पोस्ट लाखों लोगों तक पहुंचा। यह डिजिटल युग की राजनीति का उदाहरण है। कांग्रेस का जवाब क्या होगा। पार्टी ने अभी चुप्पी साधी है लेकिन जल्द बयान आएगा। भाजपा प्रवक्ता भी इसे खारिज करेंगे। सपा ने भी प्रतिक्रिया दी होगी। लेकिन मूल मुद्दा वही है आरक्षण का विस्तार। क्या संसद में संशोधन होगा। क्या ओबीसी को विधानसभा में आरक्षण मिलेगा। ये सवाल 2029 तक गरमाएंगे।

मायावती का यह प्रहार सियासी दलों को आईना दिखाता है। वे कहती हैं कि वोट के लिए बहुजन समाज का इस्तेमाल होता है लेकिन हितों की रक्षा नहीं। दलित महिलाएं देश की आधी आबादी का हिस्सा हैं। शिक्षा रोजगार और राजनीति में उनकी भागीदारी कम है। महिला आरक्षण इसे बदल सकता है लेकिन उपकोटा जरूरी है। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि महिला आरक्षण मात्र कानून नहीं बल्कि सियासी हथियार बन गया है। मायावती ने इसे बहुजन आंदोलन से जोड़ दिया। उत्तर प्रदेश में जहां 80 लोकसभा सीटें हैं वहां यह बहस चुनावी परिणाम बदल सकती है। बसपा फिर से उभरने की कोशिश में है। क्या वे सफल होंगी समय बताएगा। लेकिन यह बयान निश्चित रूप से राजनीति को नई दिशा देगा।

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

स्टंटबाजों के वाहन होंगे सीज : कालू सिंह

एएसपी ने ली व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक

ललितपुर। व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक लेते एएसपी।

ललितपुर। जिला व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक पुलिस लाइन के सुसज्जित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। व्यापारी नेताओं की माँग पर अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नगर में तेजी व लापरवाही से वाहन चलाने वाले स्टंटबाजों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि ऐसे स्टंटबाजों की वीडियो बनाकर उन्हें भेजें कार्यवाही अवश्य होगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कैलगुआं बाईपास पर बने ओवरब्रिज के नीचे दोनों ओर का रास्ता रोकने वाले गन्ना जूस वालों और अतिक्रमण कारियों पर भी चालानी कार्यवाही की जायेगी। सिंघई साईकिल स्टोर शाही रोड की दुकान पर हुयी टप्पेबाजी की घटना को उजागर करने में लगी टीमों की जानकारी देते हुये उन्होंने कहा कि एसआई प्रशान्त राणा के नेतृत्व में जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जायेगा। इस दौरान उद्योगमंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, जिला उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश बड़ेरा, महामंत्री शैलेन्द्र सिंघई, जिला उपाध्यक्ष रवीन्द्र दिवाकर, बॉबीराजा नाराहट, नगरमंत्री मनीष मनपसंद, जिला मंत्री सुबोध गोस्वामी सारस्वत, राघवेन्द्र सिंह राजा, नगर विधि सलाहकार एडवोकेट अखिलेश शर्मा, प्रदेश चेयरमैन महेन्द्र जैन मयूर, जिला महामंत्री अनिल बबड़ी, गल्ला मंडी नेता बबलू अनौरा, सतीश जैन बंटी बजाज, मुच्छड़ आदि व्यापारी नेता और प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र, कोतवाली उप प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, यातायात प्रभारी आलोक तिवारी एवं पुलिस लाइन स्टाफ मौजूद रहा।

सुबोध ने सुनाए राष्ट्रभक्ति के गीत

बैठक के बाद व्यापारी नेता सुबोध गोस्वामी ने राष्ट्रभक्ति के गीत सुनाकर गंभीर माहौल को हल्का कर दिया। उन्होंने अपने गीतों से व्यापारियों में देश भक्ति का संचार कर उत्साहित कर दिया।

ऑनलाइन ठगी के 15 हजार रुपये वापस कराये

ललितपुर। थाना जाखलौन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हुए युवक के 15 हजार रुपये की पूरी धनराशि वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। कस्बा जाखलौन निवासी प्रांजुल शर्मा के साथ 15 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई थी, जिसकी शिकायत एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई थी। थाना जाखलौन पुलिस ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेजों का तकनीकी विश्लेषण करते हुए त्वरित कार्रवाई की। विभिन्न वित्तीय एजेंसियों, बैंकों एवं वॉलेट कंपनियों से समन्वय स्थापित कर संबंधित खातों को होल्ड कराया गया और ईमेल के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर पूरी धनराशि वापस कराई गई। रुपये वापस दिलाने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह, उपनिरीक्षक विनय कुमार, कांस्टेबल विवेक राज मिश्र एवं कांस्टेबल अजयपाल सिंह शामिल रहे। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति से बैंकिंग या वित्तीय जानकारी साझा न करें। यदि किसी के साथ ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए तो तुरंत टोल फ्री नंबर 1930 या 112 पर कॉल करें, अथवा आधिकारिक बेवसाइड पर शिकायत दर्ज कर स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

एक्शन में प्रशासन : 15 दिनों में नई लाइनों से मिलेगा पानी

अधिकारियों ने युद्धस्तर पर शुरू की निगरानी

ललितपुर। पेयजल आपूर्ति सुनिश्चत कराने निरीक्षण करते एडीएम नमामि गंगे।

ललितपुर। बढ़ती गर्मी और लगातार गिरते जलस्तर के बीच ललितपुर जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के नेतृत्व में नगर की जल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए युद्ध स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है। एडीएम नमामि गंगे संजय मिश्रा ने डोंडाघाट स्थित जलशुद्धि प्लांट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट पर बनाए जा रहे आधुनिक निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए उपयोग में लाई जा रही फिटकरी और एलम की उपलब्धता और उसकी गुणवत्ता की भी जांच की। एडीएम ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि नई लाइन से जलापूर्ति अगले 15 दिन में हर हाल में शुरू की जाए और लैंडिया क्षेत्र की नई पानी टंकी से भी 15 दिनों के अंदर सप्लाई चालू की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

भीषण गर्मी में राहत की खबर

ललितपुर। भीषण गर्मी और लगातार गिरते जलस्तर के बीच नगर पालिका परिषद एवं जल संस्थान द्वारा शहरवासियों को पेयजल संकट से राहत देने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी के निर्देशन में चल रहे इस विशेष अभियान के तहत शहर के अधिकांश वार्डों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आधिकृत जानकारी के अनुसार, पाइपलाइन के माध्यम से नगर क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 45 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी की आपूर्ति की जा रही है, जिससे करीब 26 वार्डों के लगभग 1.74 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 7 नलकूपों एवं 2 ओपन वेल के माध्यम से करीब 1 एमएलडी अतिरिक्त पानी की आपूर्ति कर लगभग 5 हजार लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस प्रकार कुल मिलाकर प्रतिदिन लगभग 46 एमएलडी पानी शहरवासियों तक पहुंचाया जा रहा है। नगर के ऐसे क्षेत्र जहां पाइपलाइन सुविधा उपलब्ध नहीं है या ऊंचाई के कारण पानी की आपूर्ति प्रभावित होती है, वहां नगर पालिका द्वारा टैंकरों के माध्यम से निशुल्क पेयजल वितरण किया जा रहा है। विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से टैंकर भेजे जा रहे हैं। खिरकापुरा, गाँधीनगर, आजादपुरा, सिविल लाइन और चौबयाना सहित कई क्षेत्रों में टैंकर्स पहुंचाये जा रहे हैं। नगर क्षेत्र में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत का कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है। कुल 196 खराब हैंडपंपों में से 71 को ठीक कर दिया गया है, जबकि शेष की मरम्मत प्रगति पर है। वर्तमान में 706 हैंडपंप पूरी तरह से क्रियाशील हैं। पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में चौबीस घण्टों के लिए कंट्रोल रूम संचालित है। जिसके नम्बर्स 05176-272613 एवं 9454416274 हैं, जिन पर नागरिक अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों द्वारा लगातार फीडबैक लेकर जलापूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन के इन प्रयासों से शहर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में काफी हद तक सफलता मिल रही है।

एसपी ने देखी साप्ताहिक परेड की मुस्तैदी, निरीक्षण भी किया

ललितपुर। साप्ताहिक परेड की सलामी लेते एसपी।

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर पुलिस बल की कार्यक्षमता और अनुशासन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण कर उनकी दक्षता का आकलन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। एसपी ने परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड और टालमेल की गुणवत्ता को बारीकी से परखा। इसके बाद उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित विभिन्न शाखाओं में शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन और कंट्रोल रूम का स्थलीय निरीक्षण कर साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव और संसाधनों की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। डायल-112 के पीआरवी वाहनों का भी निरीक्षण करते हुये वाहनों की साफ-सफाई, वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल सहित अन्य आपातकालीन उपकरणों की कार्यशीलता की जांच की गई। इसके पश्चात आयोजित अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन किया गया तथा विभागीय कार्यवाहियों, शिकायतों और लंबित पत्रावलियों की समीक्षा कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। परेड में शामिल पुलिस कर्मियों की समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स सुनील भारद्वाज, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चंद्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्योग लगाने पर मिलेगी 25 प्रतिशत सब्सिडी, आवेदन प्रक्रिया शुरू

ललितपुर। जनपद के उद्यमियों और बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उपायुक्त उद्योग अतहर जमाल ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जिले के तीन मुख्यउत्पादों में रेडीमेड होजरी, जरी सिल्क साड़ी और खाद्य प्रसंस्करण को शामिल किया गया है। 18 वर्ष से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति इस योजना का लाभ उठा सकता है। ऋण उद्योग, सेवा और व्यवसाय के लिए प्रदान किया जायेगा। लाभार्थी को 25 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। लाभार्थी को कुल प्रोजेक्ट लागत का केवल 5 से 10 प्रतिशत हिस्सा स्वयं लगाना होगा। इस योजना में अधिकतम ऋण राशि की कोई उच्च सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के पोर्टल पर जाकर पंजीकरणऔर आवेदन कर सकत हैं। अधिक जानकारी किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र कार्यालय में संपर्क कर ली जा सकती है।

गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर जाखलौन पुलिस ने लौटाए

फोन धारकों को मिली राहत

ललितपुर। बरामद मोबाइल फोन लौटाते पुलिस अधिकारी।

ललितपुर। थाना जाखलौन पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए दो खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द कर दिया। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ितों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह तथा सीओ सिटी सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना जाखलौन पर जनसुनवाई/पोर्टल के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर गुमशुदगी दर्ज की गई थी। पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण कर त्वरित कार्रवाई की। भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर जानकारी अपलोड कर तकनीकी विश्लेषण और विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त डाटा के आधार पर दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल में सैमसंग और वनप्लस कंपनी के फोन शामिल हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 29 हजार रुपये बताई गई है।

न्यूज ब्रीफ

अवैध तमंचा व कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

ललितपुर। तमंचा सहित धरा गया आरोपी।

ललितपुर। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन एवं एएसपी कालू सिंह व सीओ तालबेहट आशीष मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना तालबेहट पुलिस टीम चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम बरौकला निवासी लकी राजा पुत्र गोपाल सिंह को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। थाना तालबेहट पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई।

सम्पूर्ण समाधान : आज तालबेहट में जनशिकायतें सुनेंगे जिलाधिकारी

ललितपुर। शासन के निर्देशानुसार पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से 18 अप्रैल 2026 शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान आयोजित किया जायेगा। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक तहसील इस दिन तालबेहट में जनशिकायतें सुनेंगे। अपर जिलाधिकारी तहसील मड़ावरा व सम्बंधित उप जिलाधिकारी अपनी अपनी तहसीलों में उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण करायेंगे। जिला प्रशासन ने जनसामान्य से अपील की है कि अपने क्षेत्र की तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर लाभ उठायें।

रेलवे स्टेशन पर यात्री का मोबाइल चोरी, मामला दर्ज

ललितपुर। ललितपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थाना बार अंतर्गत ग्राम कपासी निवासी सौरभ सेन पुत्र रामसेवक सेन ने जीआरपी पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मंगलवार (24 मार्च) को यात्रा के लिए ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुँचा था। शाम करीब 6.40 बजे वह स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर था। इसी दौरान अज्ञात चोर ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। ?जीआरपी पुलिस ने पीड़ित सौरभ सेन की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

उपज संगठन के जिलाध्यक्ष पद पर सुरेश कौंते मनोनीत

पत्रकारों के नये संगठन ने जिले में नई ऊर्जा का किया संचार

ललितपुर। नये संगठन से जुड़ने आये पत्रकार।

ललितपुर। वरिष्ठ पत्रकार सुनील शर्मा की अध्यक्षता और अनिल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय पत्रकारों की एक बैठक एक होटल में आयोजित की गयी। जिसमें जिले में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट की स्थापना की गयी। बैठक में सर्व सम्मति से पत्रकार सुरेश प्रकाश कौन्तेय को संगठन का जिलाध्यक्ष चुना गया। मुख्य अतिथि झांसी से आये मंडल प्रभारी अनिल शर्मा ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष से 15 दिन में कार्यकारिणी का गठन करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन सभी पत्रकारों को, चाहे वह किसी भी संगठन के हों, उनके सम्मान और संरक्षण के लिए संकल्पित रहेगा। निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जिले में पत्रकारों को भयमुक्त वातावरण निर्मित कर उनके उत्पीड़न पर उनकी मदद करने का संगठन ने संकल्प लिया। पत्रकारों के बीच सदस्यता अभियान चलाने की अपील की गयी। जिलाध्यक्ष सुरेश कौंतेय ने कहा कि शीघ्र ही सभी तहसीलों के सदस्यता प्रभारी बनाकर सदस्यता दिलाई जाएगी। इस बैठक में मो.हबीब खान, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, प्रमोद गोस्वामी, अरविन्द संज्ञा, जयेश बादल, रमेश श्रीवास्तव, रमन शर्मा, शुभ श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार झा,अशोक कुमार सैन, अनूप नांगल, देवेंद्र साहू, अमित लखेरा, मनीष पाठक, अजय श्रीवास्तव, अरविंद साहू, राजेश श्रीवास्तव आदि पत्रकार उपस्थित रहे। संचालन प्रमोद गोस्वामी ने किया।

जिला बार एसोसिएशन का सदस्यता अभियान तेज

ललितपुर। सदस्यता अभियान चलाते अधिवक्ता।

ललितपुर। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक सदस्यता अभियान के तहत अधिवक्ताओं में भारी उत्साह है। एसोसिएशन की मजबूती और संगठन के विस्तार के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान में अब तक कुल 552 अधिवक्ता अपना पंजीकरण कराकर सदस्य बन चुके हैं। जिला बार एसोसिएशन कोषाध्यक्ष कमलेश गुप्ता ने सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान आगामी 20 अप्रैल तक निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद सदस्यता प्रक्रिया पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। जो अधिवक्ता अपनी सदस्यता का नवीनीकरण या नवीन पंजीकरण कराना चाहते हैं, वह समय रहते अपनी प्रक्रिया पूर्ण कर लें। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सदस्यता अभियान का मुख्य उद्देश्य बार और बेंच के बीच समन्वय स्थापित करना और अधिवक्ताओं के कल्याणकारी लाभों को सुनिश्चित करना है। सदस्यता प्राप्त करने के बाद ही अधिवक्ता एसोसिएशन की विभिन्न योजनाओं और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के पात्र होते हैं। बताया कि अब तक कुल सदस्य 552 हो गये हैं और 20 अप्रैल 2026 तक प्रक्रिया के तहत अधिवक्ता शाम 3 बजे तक जिला बार एसोसिएशन भवन में कोषाध्यक्ष से कार्यालय में संपर्क कर शुल्क जमा कर सकते हैं। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने जिले के समस्त पात्र अधिवक्ताओं से अपील की है कि वह अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें और समय सीमा के भीतर अपनी सदस्यता सुनिश्चित कर लें, ताकि बाद में असुविधा न हो।

न्याय भवन : अब बुद्ध पूर्णिमा को होगा अवकाश

ललितपुर। जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह-सप्तम द्वारा प्रशासनिक आदेश संख्या 57/2026 जारी करते हुए न्यायालय के अवकाश कैलेंडर में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशों और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए मकर संक्रांति के बदले अब बुद्ध पूर्णिमा पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। इसके अलावा, न्यायिक अधिकारियों की स्पोर्ट्स मीट के कारण अप्रैल माह में भी दो दिनों की छुट्टी रहेगी। जिला मजिस्ट्रेट और जिला बार एसोसिएशन की सहमति के बाद, अब 1 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में जनपद न्यायालय, बाह्य न्यायालय महरौनी और ग्राम न्यायालय तालबेहट में स्थानीय अवकाश रहेगा। इस छुट्टी के बदले 22 अगस्त 2026 (चौथा शनिवार) को न्यायालय और कार्यालय सामान्य दिनों की तरह कार्य करेंगे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, न्यायिक अधिकारियों की स्पोर्ट्स मीट का आयोजन होने जा रहा है। इसके कारण 24 अप्रैल और 25 अप्रैल को न्यायालयों में अवकाश घोषित किया गया है। इन अवकाशों की भरपाई करने के लिए आगामी 24 अक्टूबर 2026 और 28 नवंबर 2026 (दोनों चौथे शनिवार) को जनपद मुख्यालय ललितपुर सहित महरौनी और तालबेहट के सभी न्यायालय एवं कार्यालय यथावत खुले रहेंगे।

स्कूलों में होगा टिटनेस-डिप्थीरिया टीकाकरण

20 अप्रैल से शुरू होगा अभियान का विशेष सत्र

ललितपुर। टीकाकरण की तैयारी बैठक लेते सीएमओ।

ललितपुर। जिले में बच्चों को टिटनेस एवं डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 20, 21, 23, 24, 27, 28 एवं 30 अप्रैल 2026 को जिले के सभी विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद ने बताया कि अभियान की तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर पूरी कर ली गई हैं। इसकी शुरुआत 9 अप्रैल को राज्य स्तरीय जूम बैठक के माध्यम से संवेदीकरण के साथ की गई थी। इसके तहत जिला स्तरीय टीम द्वारा नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों का भ्रमण कर प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों से समन्वय स्थापित किया गया, ताकि निर्धारित तिथियों में शत-प्रतिशत पात्र छात्र-छात्राओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा.शिव प्रकाश ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित कर बेसिक शिक्षा विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर स्कूल आधारित कार्ययोजना तैयार की गई है। एएनएम द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के सभी विद्यालयों की सूचीबद्ध कर माइक्रोप्लान भी तैयार कर लिया गया है। अभियान के तहत तीन आयु वर्ग के बच्चों को टीके लगाए जाएंगे। इसमें 5-6 वर्ष (कक्षा 1) के बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर, 10 वर्ष (कक्षा 4 एवं 5) के बच्चों को टीडी-10 तथा 16 वर्ष (कक्षा 10 एवं 11) के बच्चों को टीडी-16 का टीका लगाया जाएगा। प्रत्येक सत्र में लगभग 100 से 125 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह विशेष सत्र नियमित टीकाकरण दिवस (बुधवार एवं शनिवार) को छोड़कर अन्य दिनों में आयोजित किए जाएंगे। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए स्कूलों में बैनर एवं पोस्टर लगाए जाएंगे। पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि टीकाकरण की निगरानी के लिए रिपोर्टिंग व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सीएमओ ने जनमानस से अपील की कि वह अपने बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं और इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

पाक्सो एक्ट के साथ शिक्षा के अधिकार पर किया जागरूक

चित्रकूट। बाल अपचारियो को विधिक साक्षरता शिविर मे जानकारी देती सचिव इला चौधरी

चित्रकूट। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में इला चौधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पाक्सो एक्ट एवं शिक्षा अधिकार के विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इला चौधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों, विशेषकर पॉक्सो अधिनियम तथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलाना है। बताया कि यह अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने के लिए बनाया गया है तथा इसके अंतर्गत किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न या दुर्व्यवहार के विरुद्ध सख्त दंड का प्रावधान है। बच्चों को बताया कि यदि वे किसी प्रकार के शोषण का सामना करते हैं तो वे निःसंकोच इसकी शिकायत कर सकते। पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत बच्चों की पहचान को गोपनीय रखा जाता है तथा उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। बच्चों को हेल्पलाइन नंबरों एवं संबंधित संस्थाओं कीजानकारी भी दी गई, ताकि आवश्यकत पड़ने पर वे तत्काल सहायता प्राप्त कर सकें।

सुश्री विदिशा भूषण सिविल जज (जू0डि0) ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम पर भी विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि 6 से 14 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास का आधार भी है। बच्चों को विद्यालय में नामांकन, उपस्थिति, तथा शिक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित कियाा। योगेन्द्र सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में आवासित किशोर अपचारियों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम तथा उनके अधिकारों के बारे में विस्तृत बताया।

कुलदीप सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल ने शिक्षा के अधिकार के विषय पर विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर बीर सिंह संस्था प्रभारी, दीपक शर्मा परामर्शदाता, ममता वर्मा पैरालीगल वालेण्टियर व राजकीय सम्प्रेक्षण गृह के कर्मचारी व बाल अपचारी उपस्थित रहे।

भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मनायी गयी 51 वीं पुण्यतिथि

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के मुहल्ला गाँधीगंज स्थित बीएसएम स्कूल में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 51 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम एमडी सौरभ भार्गव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। साथ ही उनके जीवन पर विस्तृत चर्चा करते हुये बताया कि प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है। एवं अच्छे कार्य करने वाले शिक्षकों को पुरुस्कृत भी किया जाता है। डायरेक्टर प्रीति मिस ने बताया कि उनका मानना है कि शिक्षक का दिमाग देश में सबसे अच्छा होना चाहिये। क्योंकि शिक्षकों के योगदान से ही देश के भाग्य निर्माता पैदा होते है। एवं उनको प्राप्त सम्मान एवं अवार्ड के बारे में चर्चा करते हुये कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में और एक आदर्श शिक्षक के रुप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को हमेशा याद किया जायेगा। कार्यक्रम में एमडी सौरभ भार्गव, डायरेक्टर प्रीति मिस, रौली मिस, दीपा मिस , सपना मिस, सुरेन्द्र सर, धनकू देवी आदि ने श्रृद्वांजलि अर्पित की।

हमें अपने रुलाते हैं, अपनों से कष्ट होता है: मुनि श्री 108 विशांत सागर जी महाराज

गुरसराय । धर्मानगर गुरसरांय में आचार्य श्री विराग सागर जी मुनिराज के परम शिष्य परम पूज्य प्रवचन केसरी मुनि श्री 108 विश्रांत सागर जी सागर महाराज जी ससंघ गुरसरांय नगर के दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में विराजमान हैं मुनि श्री के मंगल प्रवचन प्रातःकाल 8~30 बजे प्रवचन प्रारंभ होते हैं दोपहर की बेला में 3~30 बजे से मरण कंडिका ग्रंथराज पर स्वाध्याय होता है एवं संध्या काल 6~30 से आचार्य भक्ति होती है शंका समाधान का कार्यक्रम होता है जिस भक्त के मन में जिज्ञासा होती है वह अपनी जिज्ञासा मनी श्री के माध्यम से समाधान प्रकार जिज्ञाशा मुक्त हो जाता है तत्पश्चात मुनि श्री की आरती होती है आज मुनि श्री ने अपनी मंगल प्रवचनो में कहा है कि हमें अपने रुलाते हैं मुनि श्री ने अपने प्रवचनों में कहा कि हमें कोई बाहर वाला नहीं बल्कि अपने परिवार का सदस्य अपने मित्रो अपनों से कष्ट होता है दूसरे हमें कष्ट नहीं देते बल्कि अपने जो सगे संबंधी होते हैं वही कष्ट देते हैं इसलिए हमें दुश्मनों से खतरा नहीं बल्कि अपनों से ज्यादा खतरा है गुरसरांय के भक्तों ने शाम की बेला में मुनिवर की आरती की आज दिनांक 17 अप्रैल को मुनि श्री के आहार संजीव कुमार जैन अकोढी परिवार को प्राप्त हुआ गुरसरांय दिगंबर जैन समाज को गुरुओं का सानिध्य पाकर उत्साह के साथ धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमावस्या मेला पर एसपी ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण

चित्रकूट। पुलिस अक्षीक्षक अरुण कुमार सिंह ने अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने को लेकर रामघाट, निर्मोही अखाडा मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मेला में लगे सभी अधिकारी की ड्यूटी चेक कर सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने एवं श्रद्धालुओं से विनम्रता पूर्वक व्यवहार करने को बताया तथा घाटों पर लगे पुलिस बल को बताया कि गहरे पानी में जाने के लिए श्रद्धालुओं को रोके, जो नाव लगे है उनकी सहायता से तत्काल बचाव का कार्य करेंगें। सभी नाविकों को निर्देशित किया कि अपनी-अपनी नाव में लाइफ जैकेट रखेंगे और जैसे ही श्रद्धालु नाव में बैठे उनको तुरंत लाइफ जैकेट पहनायेंगे।

श्रद्धालुओ को फल का किया वितरण

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक भरतकूप उपेंद्र प्रताप सिंह, उनि श्यामदेव सिंह थाना पहाड़ी ने छह कुंतल केला का वितरण किया। पुलिस द्वारा लगातार विगत 31 माह से सीतापुर मेला क्षेत्र में आये हुये श्रद्धालुओं को फल, नाश्ता का वितरण किया।

संयुक्त टीम ने की चेकिंग

चित्रकूट। प्रभारी एलआईयू नागेन्द्र भूषण पाठक के मार्गदर्शन में एलआईयू उनि शिवसागर तिवारी के नेतृत्व में एस चेक टीम, डॉग स्कॉयड, एलआईयू की संयुक्त टीम द्वारा अमावस्या मेला पर रामघाट स्थित प्रमुख मठ मंदिरों में चेकिंग की गई एवं डीबीएस टीम द्वारा परिक्रमा मार्ग पर संदिग्ध स्थानों की चेकिंग की गयी।

पुलिस ने की कार्यवाही

चित्रकूट। थानाध्यक्ष सरधुवा राम सिंह ने अभियुक्त सलामत, दिनेश कुमार यादव, छेदीलाल यादव, अमरपाल यादव, भीमसेन निषाद, रामू निषाद, छितानी निषाद, छोटू, पप्पू उर्फ रामकिशोर, छोटे सिंह, सुनील सिंह, संतोष निषाद, शिवबरन आरख, रज्जन उर्फ राजनारायण के विरुद्ध धारा 129 बीएनएसएस की कार्यवाही की गयी।

खाद्य विभाग टीम का छापमार अभियान, दुकानो से लिये नमूने

चित्रकूट। दुकान से खाद्य पदार्थ का सैंपल लेते खाद्य अधिकारी

चित्रकूट। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं जिलाधिकारी पुलकित गर्ग आदेश अनुपालन में सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग टीम द्वारा कुल 16 नमूने जाँच के लिये संग्रहित किये।

उन्होने बताया कि अमानपुर कर्वी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान शिवसागर की दुकान से चार नमूना, सीतापुर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान प्रिंश केशरवानी की दुकान से दो नमूना, मानिकपुर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान प्रहलाद साहू की दुकान से एक नमूना, आद्य प्रतिष्ठान रामकिशोर एक नमूना, सरैया स्थित संतोष कुमार की दुकान से एक नमूना, अरविन्द्र कुमार, आदित्य कुमार सिंह, सोनू गुप्ता की दुकान से एक-एक नमूना लिया। लालता रोड मऊ स्थित रोहित यादव, शिवा इण्टर प्राइजेज, खाद्य प्रतिष्ठान सुनील कुमार की दुकान से एक-एक नमूना, मैकी मोड़ मऊ स्थित खाद्य प्रतिष्ठान कान्हा स्वीट से एक नमूना लिया।

छापामार अभियान मे टीम में सहायक आयुक्त शशांक त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह, विनय कुमार उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु आरक्षियो के लिये पुलिस लाइन मे भोज का आयोजन

चित्रकूट। प्रशिक्षु आरक्षियो को खाना परोसते डीआईजी बांदा व एसपी ।

डीआईजी, एसपी ने परोसा भोजन

चित्रकूट। पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूट धाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में पुलिस लाइन्स में पुलिस अधिकारियो एवं प्रशिक्षु आरक्षियों के लिए भोज का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूट धाम परिक्षेत्र बांदा व पुलिस अधीक्षक सहित सभी अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षु आरक्षियों को भोजन परोसा गया, साथ ही उनके साथ बैठ कर भोजन किया गया। तत्पश्चात प्रशिक्षु आरक्षियों से वार्ता कर पासिंग आउण्ट परेड़ की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अरविन्द वर्मा, क्षेत्राधिकारी कार्यालय यामीन अहमद, क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली, प्रतिसार निरीक्षक रामाशीष यादव, आरटीसी प्रदीप यादव, पीआरओ पुलिस अधीक्षक पंकज तिवारी उपस्थित रहे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर हुई चित्रकला प्रतियोगिता

गुरसरांय। डॉ राम मनोहर लोहिया महिला महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित *सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर आराधना यादव एवं डॉ धीरज दीक्षित के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन किया गया ।तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ पिंकी सिंह ने कहा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी आस्था और भारतीय संस्कृति का अनूठा उपहार है। किस्मत के पन्ने चाहे कितने भी कोरे हो, जब कलम महाकाल के हाथ होती हैं तो कहानी हमेशा बेमिसाल लिखी जाती हैं।

कैम्प में हुई टी. बी. मरीजों की जाँच

मऊरानीपुर (झाँसी) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मऊरानीपुर की टीम द्वारा टी. बी. मरीजों की जाँच नगर के मुहल्ला परवारीपुरा में की गयी। जिसमें स्वास्थ्य टीम ने 105 एक्सरे किये जिनमें, 10 लोगों की बलगम की जाँच के लिये सेम्पल लिये गये। साथ ही साथ टी. बी. मरीजों को जागरुक भी किया गया। टी. बी. मरीजों को बचाव एवं उपचार के बारे में संघन जानकारी दी गयी। वही मरीजों को लक्षण के बारे में जानकारी दी। टी. बी. मरीजों से अपील की गयी कि कोई भी इस तरह के लक्षण समझ में आये तो तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जाँच कराये और समय पर उपचार ले। जिससे टी. बी. मुक्त मऊरानीपुर को भी बनाया जा सके। इस मौके पर शिवम पाण्डेय, डॉ. रामपाल, पवन कुमार, जावेद अली, माधुरी, स्वाती, गीता, अनीता आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

अग्निशमन टीम ने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। बच्चो को आग से बचाव के तरीके बताते फायर अधिकारी

चित्रकूट। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस में अग्निशमन टीम द्वारा जनपद के व्यवसायिक प्रतिष्ठान, बहुखण्डीय भवनों का निरीक्षण अग्निसुरक्षा से सम्बन्धित जनजागरण सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित कर आमजनमानस को जागरुक किया जा रहा है। पवन कुमार त्यागी प्रभारी अग्निशमन केन्द्र द्वारा नगर क्षेत्र के अन्तर्गत विद्यमान व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का अग्निसुरक्षा उपकरणों का रख-रखाव आग के खतरों को कम करने की दृष्टिकोण से निरीक्षण कियाएवं कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया एवं पम्पलेट वितरित किया गया। श्याम सुन्दर त्रिपाठी प्रभारी अग्निशमन केन्द्र राजापुर द्वारा करबा के शैक्षणिक संस्थान का अग्निसुख्ता उपकरणों का रखा-रखाव आग के खतरों को कम करने की दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। प्रमोद द्विवेदी, प्रभारी अग्निशमन केन्द्र मानिकपुर द्वारा करबा शासकीय भवन का अग्निसुरक्षा उपकरणों का रख-रखाव आग के खतरों को कम करने की दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। मान सिंह, प्रभारी अग्निशमन केन्द्र मऊ ने करबा अन्तर्गत शासकीय भवन का निरीक्षण किया।

महिला जिला अस्पताल में फिर नवजात की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही और वसूली का आरोप

महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। जनपद के महिला जिला अस्पताल में एक बार फिर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बृहस्पतिवार शाम करीब 5:05 बजे जन्मे नवजात की कुछ ही घंटों बाद रात लगभग 11:30 बजे मौत हो गई, जिससे परिवार में मातम पसरा हुआ है।मृतक नवजात के परिजन, धरोन गांव निवासी राजबहादुर ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही और पैसों की मांग का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि नॉर्मल डिलीवरी के बाद 3000 रुपये मांगे गए, और पैसे न देने पर रेफर करने की बात कही गई।वसूली के आरोप फिर चर्चा में महिला अस्पताल पर पहले भी डिलीवरी के नाम पर अवैध वसूली के आरोप लगते रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि यहां पर्दे के पीछे पैसों का खेल जारी है और ड्यूटी खत्म होने के बाद रकम का बंटवारा किया जाता है सीसीटीवी होने के बावजूद नहीं रुक रही दलाली अस्पताल परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद दलालों की गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सवाल उठ रहा है कि जब कैमरे मौजूद हैं तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही व्यवस्थाओं पर उठे सवाल अस्पताल में बाहरी लोगों की मौजूदगी पर सवाल चौकीदार को कंप्यूटर ऑपरेटर बनाकर जन्म प्रमाण पत्र कार्य में तैनाती जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी प्रशासन से कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों ने जिला अधिकारी से अस्पताल का औचक निरीक्षण कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।बड़ा सवाल क्या स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इन मामलों की जानकारी नहीं, या जानकर भी अनदेखी की जा रही है?

सीएचसी में जाँच कराने के लिये मरीजों को भटकना पडता है बाहर, जाँचों की व्यवस्था स्वास्थ्य केन्द्र में हो मुहैया

मऊरानीपुर (झाँसी) सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नगर व क्षेत्र से सैकडों की संख्या में प्रतिदिन मरीज इलाज कराने आते है। लेकिन स्वास्थ्य केन्द्र में बीमारी की जाँच करने के लिये कोई सुविधा नही है। बाहर प्राईवेट में जाँच कराने को मजबूर है मरीज। जिसमें स्वास्थ्य केन्द्र मऊरानीपुर में शुगर , टाई फाई , मलेरिया आदि अन्य बीमारियों की जाँच नही की जाती है, मरीज अस्पताल आते है। लेकिन चिकित्सकों द्वारा उन्हें बाहर से जाँच कराने के लिये भेज दिया जाता है। इसी को लेकर कुछ समय पूर्व क्षेत्रीय विधायक डॉ. रश्मि आर्य के द्वारा यह सुविधा शीघ्र करवाने के लिये स्वास्थ्य अधिकारियों को अवगत कराया गया था। लेकिन इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कोई सुविधा अभी तक मुहैया नही करायी गयी। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है।

सौनकिया मैथ क्लासेस की मृणाली श्रीवास्तव ने किया 97.2% के साथ गुरसराय में टॉप

गुरसरांय। सीबीएसई के 10वीं परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ जिसमें सौनकिया मैथ क्लासेस में विगत दो वर्षो से अध्यनरत मृणाली श्रीवास्तव ने 97.20% अंक प्राप्त कर पूरे गुरसराय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

मृणाली सौनकिया क्लासेस में गणित और विज्ञान दोनों की विगत दो वर्षो से छात्रा रही है जिसमें उन्होंने गणित में सर्वाधिक 98 अंक अर्जित किया और वही विज्ञान में 95 अंक अर्जित किया और अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपनी कोचिंग के डायरेक्टर आशानंद सौनकिया सा, सौरभ सोनकिया सर एवम् अपने माता-पिता को दिया।

जिस पर कोचिंग के डायरेक्टर आशानंद सौनकिया ने प्रसन्नता जताई और बताया विगत 7 वर्षो से लगातार संस्थान गुरसराय में टॉपर्स छात्रों को दे रहा है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

मृणाली श्रीवास्तव ने गणित में पूरे गुरसराय में सर्वाधिक 98 अंक अर्जित किया।

वही विज्ञान विषय में गुरसराय में सर्वाधिक अंक कोचिंग के ही छात्र प्रवीण कुमार मिश्रा ने 97 अंक अर्जित कर कोचिंग का मान बढ़ाया ।

इसके अलावा गणित स्टैंडर्ड में श्रेय गुप्ता और मोहित वर्मा ने गुरसराय में सर्वाधिक 96 अंक अर्जित किया ।

वहीं श्रेय गुप्ता ने 94.20% प्रतिशत अंक पाकर गुरसराय में तृतीय स्थान और नगर के विद्यालय सेंट मैरिज सीनियर सेकंडरी विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

कोचिंग से मोहित वर्मा ने नगर में 93.20% के साथ चतुर्थ स्थान, पवित्र तिवारी ने 92.40% के साथ पांचवां स्थान, सृष्टि अग्रवाल ने 92.20 प्रतिशत के साथ छठवां स्थान,प्रवीण कुमार मिश्रा ने 91.60 प्रतिशत के साथ सातवां स्थान, सानिध्य पिपरैया,आदर्श यादव और सिमरन पटेल ने 90% अंकों के साथ आठवां स्थान, आराध्या जैन ने 89% के साथ नौवां स्थान कन्हैया यादव ने 88% दसवां स्थान प्राप्त किया ।

वही कोचिंग से गणित में कुल 14 छात्रों ने 80 अथवा 80 से अधिक अंक अर्जित किया और 23 छात्रों ने विज्ञान में 80 अथवा 80 से अधिक अंक अर्जित किया।

सभी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय कोचिंग में बेहतर मार्गदर्शन और समय-समय पर आयोजित उत्तम टेस्ट प्रणाली को दिया जिससे उन्होंने अपना परीक्षण और अपनी तैयारी में सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ परीक्षा फल प्राप्त किया।

अंत में सौरभ सौनकिया ने सभी सफल छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की की शुभकामनाएं दी ।

भगवान परशुराम की भव्य निकाली जायेगी शोभायात्रा

मऊरानीपुर (झाँसी) भगवान परशुराम जयन्ती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। जिसका जगह जगह पर स्वागत होगा। शोभायात्रा नगर के पुरानीमऊ स्थित बडी माता मन्दिर से प्रारम्भ होकर बजरिया, बडाबाजार, परमट चौराहा, बिलैया चौराहा, दुबे का चौक होते हुये श्री धनुषधारी मन्दिर परवारीपुरा में सम्पन्न होगी। जिसमें ब्राहम्ण समाज के लोगों के साथ प्रशासनिक अमला एवं पुलिस फोर्स मौजूद रहेगा। जिससे शान्तिपूर्ण तरीके से शोभायात्रा सम्पन्न हो सके। वही पुलिस फोर्स शोभायात्रा में साथ रहेगा।

निधन

गुरसराय। नगर के गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ रामशरण कौशिक नुनार वालों का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार 18 अप्रैल को प्रातः 8:00 बजे गुरसरांय के मऊरानीपुर रोड स्थित श्मशान घाट पर किया जाएगा। उक्त जानकारी अशोक सेन ने दी।

मतदाताओं के डी डुप्लीकेशन, कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही 21 अप्रैल से 28 मई तक

निर्वाचक नामावलियो का अन्तिम प्रकाशन 10 जून को

झांसी जयूसं। जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ.प्र., लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद झांसी में संशोधित समय सारिणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण हेतु21 अप्रैल से 28 मई 2026 तक मतदाताओं के डी डुप्ली केशन एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही एवं 29 मई से 09 जून 2026 तक कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वाडों की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, स्ङ्कह आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि तथा दिनांक 10 जून 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी /सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद झाँसी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित करायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

पुलिस ने बालिकाओं को सुरक्षा, सशक्तिकरण व योजनाओं की दी जानकारी

झांसी जयूसं। नवाबाद थाने की पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान चलाया। इस अभियान के तहत स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और चौक-चौराहों पर लोगों को जागरुक किया। साथ ही सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्तिकरण, सुरक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुक करना था। यह अभियान मिशन शक्ति के पांचवें चरण के द्वितीय भाग के तहत आयोजित किया गया। अभियान के दौरान, बालिकाओं और महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी-वन स्टॉप सेंटर,पॉस्को एक्ट और मिशन शक्तिजैसी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, बाल विवाह, दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी जागरूकता फैलाई गई। टीम ने 1090, 1076, 181, 112 और 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी जानकारी दी और पंपलेट वितरित किए। इस अभियान की सराहना की। लोगों और महिलाओं ने बताया कि उन्हें कानूनी जानकारी और अपने अधिकारों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना मिली है। इस अभियान को सफल बनाने में नवाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक रवि श्रीवास्तव, महिला उपनिरीक्षक संगीता, उपनिरीक्षक रामकरन, महिला आरक्षी दुर्गेश व रेशम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिशन शक्ति अभियानः कक्षाओं में पिंक कार्ड किए चस्पा

झांसी जयूसं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति और प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विद्या सागर सिहं के निर्देश में मिशन शक्ति अभियान फेस 5.2 के तहत पंडित कृष्ण चंद्र शर्मा गर्ल्स इंटर कॉलेज में अध्यापिकाओं तथा छात्राओं को महिला उपनिरीक्षक किरन रावत ,महिला हेड कांस्टेबल अनुराधा, महिला हेडकांस्टेबल मोहिनी तिवारी, महिला कांस्टेबल सुनीता द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के तहत सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पूर्व दर्शन छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि तथा विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108,112, 1076, 1098, 1930 आदि तथा गर्मी से बचाव हेतु उपचार के बारे मेंजानकारी देतेहुए छात्र छात्राओं को पिंक कार्ड का वितरण किया गया।
यह तथा सभी कक्षाओं में पिंक कार्ड को चस्पा किया गया ।विद्यालय के शिकायत पेटिका चेक की गई जिसमें कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई। प्रधानाचार्या, अध्यापिकाओं तथा छात्राओं से समस्या पूछी गई किंतु किसी के भी द्वारा कोई समस्या नहीं बतायी गई।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमियों को उद्यम करने के अवसर

झांसी जयूसं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राम किशोर ने बताया है कि उप्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो में अधिक संख्या में लोगों के बेरोजगार होने के दृष्टिकोण से ग्रामीण अंचलों में बढ़ती बेरोजगारी का समाधान करने, ग्रामीण शिक्षितों, बेरोजगारों का शहरों की ओर पलायन को रोकने तथा अधिक से अधिक रोजगार के अवसर गांवों में ही उपलब्ध कराने के उददेश्य से ग्रामीण क्षेत्रों के व्यक्तिगत उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने हेतु अधिकतम 10 रुपए लाख तक की वितीय सहायता बैंकों के माध्यम से दिलायी जाती है। उन्होंने बताया कि जनपद झांसी हेतु वर्ष 2026-27 में कुल 12 इकाई एवं वित्तीय रू 60 लाख, रोजगार 240 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अन्तर्गत सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थियों को पूंजीगत मद में मात्र 4 प्रतिशत ब्याज वहन करना होगा, शेष ब्याज की धनराशि ब्याज उपादान के रूप में शासन से प्राप्त धनराशि से उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है, एवं आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों (अनु. जाति, अनु.जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विकलांग, महिलायें एवं भूतपूर्व सैनिक) को जिला योजना के अन्तर्गत पूंजीगत ऋण पर समस्त ब्याज की धनराशि व्याज उपादान के रूप में तथा सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थियो को 4 प्रतिशत अधिकतम 10 प्रति ब्याज उपादान के रूप में उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। उन्होंने बताया कि उक्त योजनान्तर्गत इच्छुक अभ्यर्थी जो ग्रामीण क्षेत्र का निवासी हो तथा गांव में अपना उद्यम लगाना चाहता हो जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य के अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र ग्रामीण क्षेत्रों के व्यक्तिगत उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने हेतु पर आवेदन कर हार्ड कॉपी, आधार कार्ड, पैनकार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, अनापत्ति प्रमाण पत्र राशन कार्ड की प्रति एवं बैंक पासबुक आदि अभिलेखों सहित 30 अप्रैल 2026 तक कार्यालय, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, इलाइट सिनेमा के पीछे झांसी में जमा कर सकते है एवं अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नं0 7408410797 तथा 9935118886 पर सम्पर्क कर सकते है।

बेकाबू घोड़ों ने एटीएम तोड़ने की कोशिश

झांसी जयूसं। बबीना स्टेशन रोड और कबाड़ी बाजार क्षेत्र में दो लावारिस घोड़े घूमते नजर आए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इन बेकाबू घोड़ों केकारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों घोड़े अनियंत्रित होकर सड़कों पर इधर-उधर दौड़ रहे थे। इसी दौरान स्टेशन रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम पर एक घोड़े ने गेट तोड़ने का प्रयास भी किया। मौके पर मौजूद मोहल्ले के निवासी राजू साहू ने तत्परता दिखाते हुए एटीएम का शटर गिरा दिया, जिससे बड़ी क्षति होने से बच गई। करीब एक घंटे तक दोनों घोड़े पूरे क्षेत्र में घूमते रहे, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों में डर का माहौल बना रहा। बाद में जानकारी करने पर पता चला कि ये घोड़े ग्राम मंकुआ निवासी अंकित के हैं, जो रात मेंभटक गए थे। गांव के एक व्यक्ति ने घोड़ों को पहचान कर अंकित को सूचना दी, लेकिन वह समय पर मौके पर नहीं पहुंच सका। स्थिति को देखते हुए बबीना थाना प्रभारी को भी सूचना दी गई।

चार दारोगा व 24 मुख्य आरक्षी कब होंगे रिलीव

झांसी जयूसं। झांसी पुलिस विभाग में नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। झांसी में चार दारोगा व 24 मुख्य आरक्षी ऐसे तैनात है जिनका गैर जनपद स्थानांतरण काफी दिनों पहले हो चुका है मगर उनको रिलीव नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर खाकी में काफी आक्रोश भड़क रहा है। मालूम हो कि शासन के निर्देशन के तहत समय पूरा होने पर गैर जनपद स्थानांतरित किया जाता है। इनमें अधिकांश लोग तो गैर जनपद के लिए स्थानांतरित हो चुके हैं मगर कुछ लोग ऐसे है जो नेतागिरि के चक्कर में रिलीव नहीं किए गए हैं। इनमें एक दारोगा तो चौकी प्रभारी भी है। रिलीव न होने को लेकर खाकी में काफी आक्रोश भड़क रहा है। इसकी जानकारी पुलिस के आला अफसरों को अच्छी तरह से है मगर इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बताते हैं कि हमेशा बहाना बनाया जाता है कि पुलिस की कमी है इसलिए रिलीव नहीं किया जाता है।

भगवान परशुराम की दिव्य शोभायात्रा का नगर भ्रमण आज

झांसी जयूसं। भगवान परशुराम सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जयंती की पूर्व संध्या पर भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा शनिवार 18 अप्रैल को निकाली जायेगी। भगवान परशुराम सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के पदाधिकारियों ने सामूहिक रुप से दी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए शोभायात्रा केअध्यक्ष वरिष्ठ समाज सेवी , जीआईसी के सेवानिवृत उप प्राचार्य आलोक शांडिल्य ने बताया कि शनिवार 18 अप्रैल को अपराह्न 3:30 बजे खण्डेराव गेट स्थित व्यायाम शाला के गेट नं दो से प्रारम्भ होकर शहर? क्षेत्र में भ्रमण करेगी। शोभायात्रा एलबीएम से कोतवाली, गंधीगर का टपरा, बिसाती बाजार, बड़ा बाजार, गांधी रोड, रानी महल, सिंधी तिराहा होते हुए वापस व्यायामशाला पर समाप्त होगी। वरिष्ठ समाज सेवी आशीष उपाध्याय ने बताया कि शोभायात्रा में भगवान परशुराम, वामन भगवान, कृष्ण सुदामा एवं चाणक्य के स्वरूप बग्गी पर सवार होकर चलेंगे साथ ही क्रांतिकारी मंगल पांडे, राजगुरु भगत सिंह, बाल गंगाधर तिलक, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस आदि के स्वरूप आकर्षण का केंद्र?होंगे। शोभायात्रा के प्रारंभ स्थल पर 101 कर्मकांडी ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया जायेगा। यात्रा में बुंदेलखंड के सभी धर्माचार्य, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं लगभग दो हजार से अधिक ब्राह्मण बंधु व महिलायें व सामाजिक लोग उपस्थित रहेंगे। विभिन्न व्यापारिक एंव सामाजिक संगठनों के द्वारा जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत किया जायेगा।
पत्रकार वार्ता के दौरान शोभायात्रा अध्यक्ष आलोक शांडिल्य व आयोजन समिति से के.के.दुबे, गोकुल दुबे, वीरेंद्र पटैरिया, मैथिली शरण मुदगिल, अंचल अड़जरिया,आशीष उपाध्याय ,कम्मू तिवारी, दिलीप तिवारी, विनोद, बिहारी परशुराम, रविकांत मिश्रा, केशव पटैरिया, लखनलाल पुरोहित, परन शर्मा, विनोद रिछारिया, राधाचरण दुबे, दिलीप पाण्डेय, पी.एन. गोस्वामी, आर.एन. शर्मा, आर. एन. उपाध्याय, ज्ञानेंद्र अवस्थी, राहुल तिवारी, रजत गोस्वामी, लड्डू महाराज, अर्पित शर्मा,गुड्डूशर्मा आदि जन उपस्थित रहे। संचालन सुशील भार्गव व अंचल अडजरिया नेसंयुक्त रूप से किया। अंत में अखिलेश शर्मा गुड्डू ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी के पिता के निधन पर जताया शोक

झाँसी जयूसं। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की शोक सभा में जिलाधिकारी मृदुल चौधरी के पिता धनीराम चौधरी केआकस्मिक निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं शोक संतृप्त परिवार को इस असहनीय कष्ट को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिये ईश्वर से प्रार्थना की गयी ।शोक सभा में केसी. सविता,राज कुमार निगम,भगवान दास कुशवाहा, राम अवतार द्विवेदी, हरी कृष्ण सक्सेना, लालाराम विश्वकर्मा, केसी. सविता, डी.एस.यादव, अनूप कुमार, अमृत सिंह यादव, सीताराम भण्डारी, कैलाश नारायण गुप्ता, लाल चन्द्र जैन, आर.वी. श्रीवास्तव, शिरोमणि शर्मा, मो. शाहिद, रामपालसिंह वर्मा, रामनारायण केवट, धर्मसिह परिहार, हाजी सागर काजी रघुवर दयाल, महेश चन्द्र अग्रवाल, भगवानदीन वर्मा, टी.आर. पुष्कर, जी.पी.झां, सोहन सिह यादव, सुरेश चन्द्र अग्रवाल आदि ने शोक व्यक्त किया।

अभिषेक यादव 100 मीटर दौड़ में रहे प्रथम

झांसी जयूसं। मुख्य कारखाना प्रबंधक अजय श्रीवास्तवा ने वैगन मरम्मत कारखाना में एथलीट प्रतियोगिता वर्ष 2025- 26 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अमित कुमार तिवारी डिप्टी सीएमई आर, ए के वर्मा डिप्टी सीएमई आई, वी के वर्मा डिप्टी सीई, समर्थ अग्रवाल उत्पादन अभियंता, संजीव चावा कार्य प्रबंधक एवं मान्यता प्राप्त संगठन एनसीआरईएस, एनसीआरएमयू एवं एससी/एसटी के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में प्रथम रहे अभिषेक यादव द्वितीय हरिवन मीना तृतीय राशिद खान रहे। प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अंपायर, अमित थापक, कैलाश मीना, गौरव बामोटे, अभिषेक मिश्रा, दया निधि मिश्रा, स्वर्ण सिंह ठाकुर, अभिषेक यादव, अनिल जैकब, अतुल, हर्देश राजपूत, इमरान खान, राजीव प्रजापति, संतोष वर्मा एवं एथलीट सचिव आलोक श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता में अहम भूमिका निभाई मंच का संचालन आफाक अहमद एसएसई, द्वारा किया गया। आभार संजीव परिहार खेलकूद सचिव एवं एडवर्ड किन्तर द्वारा किया गया।

संघर्ष सेवा समिति ने भाजपा मीडिया प्रभारी का जन्मदिन मनाया

झाँसी जयूसं। संघर्ष सेवा समिति के कार्यालय में आज भारतीय जनता पार्टी-सदर कैंट मंडल,के मीडिया प्रभारी किशन त्रिपाठी का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने किशन का तिलक लगाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया, जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर केक काटा। कार्यक्रमके दौरान डॉ. संदीप सरावगी ने किशन त्रिपाठी को आशीर्वाद देते हुए कहा, च्किशन न केवल भारतीय जनता पार्टी के एक ऊर्जावान मीडिया प्रभारी हैं, बल्कि वे समाज के प्रति भी अत्यंत संवेदनशील युवा हैं। एक जागरूक मीडिया प्रभारी के रूप में वे जनता और संगठन के बीच सेतु का कार्य बखूबी कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु प्रदान करें और वे इसी तरह सेवा भाव के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर रहें। इस दौरान अमन कान्त, मोहित मिश्रा, कुंज बिहारी श्रीवास, राघवेन्द्र गुप्ता, चार्ली, आकाश रॉबट, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह, राजू सेन, राकेश अहिरवार, सिद्धांत गुप्ता, सुशांत गैंडा, बसंत गुप्ता, शुभांशु वर्मा, प्रवेंद्र सिंह, साहिल कुशवाहा आदि उपस्थित रहे। सभी ने किशन त्रिपाठी को मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

झांसी मंडल का शानदार प्रदर्शन-आईजीओटी साधना सप्ताह में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान

केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंडल रेल प्रबंधक को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। आईजीओटी कर्मयोगी भारत साधना सप्ताह के अंतर्गत आयोजित नेशनल लर्निंग वीक (02 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026) के दौरान झांसी रेल मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर एक गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायक उपलब्धि अर्जित की है।
झांसी मंडल ने प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सक्रियता प्रदर्शित करते हुए 77.44 प्रतिशत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित 4 घंटे का प्रशिक्षण कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण कराया। यह उपलब्धि मंडल में सुदृढ़ प्रशिक्षण संस्कृति, जागरूकता तथा प्रभावी कार्यान्वयन का सशक्त प्रमाण है।
यह सफलता मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन का परिणाम है। वहीं, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी,राजेश कुमार शर्मा ने मुख्य समन्वयक एवं आयोजक के रूप में उत्कृष्ट प्रबंधन क्षमता का परिचय देते हुए आईजी ओटी कर्मयोगी भारत साधना सप्ताह को व्यापक स्तर पर सफल बनाया, जिससे बड़ी संख्या में कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हुई और झांसी मंडल को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ।
इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार को केंद्रीय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, जितेंद्र सिंह द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया।
आईजीओटी कर्मयोगी भारत साधना सप्ताह केअंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे के सभी मंडलों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो संगठन की कार्यक्षमता, प्रशिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता एवं मानव संसाधन विकास में अग्रणी भूमिका को पुनः स्थापित करता है। इस उपलब्धि के लिए मुख्यालय प्रयागराज से प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी मुदित चंद्रा को भी सम्मानित किया गया। यह उल्लेखनीय सफलता कार्मिक विभाग के नेतृत्व में झांसी मंडल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, सक्रिय सहभागिता एवं उत्कृष्ट टीमवर्क का प्रतिफल है। यह उपलब्धि न केवल संगठन के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भविष्य में भी उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने हेतु निरंतर प्रेरणा प्रदान करती रहेगी।

नन्हे कदमों ने सीखा खेती का विज्ञान: कृषि विश्वविद्यालय में हुआ रोचक शैक्षिक भ्रमण

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी परिसर में आज एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में जीडी गोयनका स्कूल, झाँसी के प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लगभग 90 नन्हे विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनके साथ 10 शिक्षक एवं सहायक स्टाफ भी उपस्थित रहे, इनका नेतृत्व सुश्री मनीला गोयल ने किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. कुलेश्वर साहू ने विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें परिसर की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कराया। उन्होंने बच्चों को कृषि, बागवानी एवं आधुनिक खेती तकनीकों के बारे में सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी दी, इससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मशरूम उत्पादन इकाई में मशरूम उगाने की प्रक्रिया को समझा। साथ ही पौधशाला (नर्सरी) में विभिन्न पौधों का अवलोकन किया तथा फल उद्यान में ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, अनार एवं पपीता जैसे फलों के पौधों को नजदीक से देखा।

इसके अतिरिक्त बच्चों ने पॉलीहाउस का भी भ्रमण किया, जहाँ चेरी टमाटर की उन्नत खेती को देखकर वे अत्यंत उत्साहित नजर आए।
इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक स्तर पर ही कृषि एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उन्हें प्रकृति से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने न केवल नई जानकारियाँ अर्जित कीं, बल्कि इस अनुभव का भरपूर आनंद भी उठाया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी